22 अगस्त 2025
शुक्रवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सर थर्मल पावर परियोजना की पहली इकाई आज होगी उद्घाटित 2



# ड्रीम 11 वालों को बड़ा झटका : अब करोड़ों जीतने का सपना रह जाएगा अधूरा

**एजेंसी/नई दिल्ली**

केंद्र सरकार ने लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पेश किया है। जो फैंटेसी गेम्स और पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए बड़े बदलाव की संभावना ला सकता है। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो ड्रीम-11 और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर असली पैसे से खेलने पर सख्त पाबंदी लग सकती है। पिछले कुछ वर्षों में ड्रीम-11 और अन्य फैंटेसी गेम्स भारत में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। लाखों खिलाड़ी हर दिन इन प्लेटफॉर्म्स पर खेलते हैं और असली पैसे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर यह बिल लागू होता है, तो खिलाड़ियों की गेमिंग आदतों और उनके पैसों पर बड़ा असर पड़ सकता है। खिलाड़ियों और फैंटेसी गेमिंग इंडस्ट्री के लिए यह बिल एक बड़ा बदलाव लेकर आ सकता है।

### ऑनलाइन गेमिंग बिल

अब कोई भी प्लेटफॉर्म अब पैसे वाले गेम्स नहीं चला सकेगा। सिर्फ हुनर वाले गेम्स खेलने पर किसी को सजा नहीं होगी। पैसे वाले गेम्स खेलने पर 3 साल तक जेल और 1 करोड़ रुपये तक जुमार्ना हो सकता है। गेमिंग का विज्ञापन करने पर 2 साल तक जेल और 50 लाख रुपये तक जुमार्ना। एक विशेष प्राधिकरण बनाया जाएगा, जो गेमिंग इंडस्ट्री पर नजर रखेगा। पबजी, फ्री फायर, ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स पर खेल जारी रहेंगे।

### पैसे वाले गेम्स पर रोक

सरकार का कहना है कि कई लोग गेमिंग की लत में अपनी सारी बचत खो देते हैं। कुछ मामलों में मानसिक तनाव और गंभीर हालात भी सामने आए हैं। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है। यही कारण है कि सरकार ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया।

### ड्रीम-11 यूजर्स के लिए सलाह

अभी किसी को सजा नहीं होगी, लेकिन अपने पैसों का ध्यान रखें। पैसे वाले गेम बंद होने पर फैंटेसी क्रिकेट, ई-स्पोर्ट्स और दूसरे हुनर वाले गेम्स खेल सकते हैं। ज्यादा पैसे लगाने से पहले अपने फंड्स का बैकअप जरूर लें। बिल पास होने के बाद नियम बदल सकते हैं, इसलिए त्कमंउ11 और अन्य प्लेटफॉर्म्स की अपडेट्स चेक करते रहें। केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 भारत में फैंटेसी गेमिंग इंडस्ट्री और खिलाड़ियों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर यह बिल पास होता है, तो पैसे वाले गेम्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग सकता है और उल्लंघन करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है।संसद के मानसून सत्र में कई अहम फैसले हुए। ऑनलाइन गेमिंग (संवर्धन व विनियमन) विधेयक 2025 राज्यसभा से भी पारित हो गया, जिसके तहत ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को छोड़कर सभी तरह के मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। वहीं, लोकसभा सचिवालय की रिपोर्ट के अनुसार सत्र में 84 घंटे से अधिक समय हंगामे में बर्बाद हुआ। दिल्ली को नया पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा मिले हैं, जिन्होंने एसबीके सिंह की जगह ली है। खेल जगत की बात करें तो सरकार ने साफ किया कि भारत एशिया कप खेलेगा और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी भाग लेगा। वहीं, चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की पारदर्शिता के लिए दो अतिरिक्त सचिवों को पर्यवेक्षक बनाया। तमिलनाडु में टीवीके प्रमुख विजय ने डीएमके और भाजपा दोनों पर निशाना साधा। साथ ही सिनेमा जगत में मिथुन चक्रवर्ती और रजनीकांत की जोड़ी 30 साल बाद ह्यजेलर 2ह्ल में नजर आएगी। उत्तर प्रदेश के सीएम दरबार में बिजली समस्या से परेशान एक पूर्व फौजी ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिस पर भाजपा विधायक पर गंभीर आरोप लगे। विदेश नीति के मोर्चे पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस में बैठक की और स्पष्ट किया कि रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार भारत नहीं, बल्कि चीन है। असम सरकार ने बड़ा निर्णय लिया कि 18 साल से ऊपर वालों को अब नया आधार कार्ड नहीं मिलेगा। ताकि अवैध प्रवासियों को रोका जा सके। केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 भारत में फैंटेसी गेमिंग इंडस्ट्री और खिलाड़ियों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर यह बिल पास होता है, तो पैसे वाले गेम्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग सकता है और उल्लंघन करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है।

विपक्षी सांसद संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए मजबूर

# राहुल गांधी से बेहतर हैं विपक्ष के कई नेता पर नहीं मिलती बोलने की आजादी : मोदी

♦सरकारी विधेयक पेश किए गए और 12 विधेयक पारित किए गए

**एजेंसी/नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विपक्ष के कई नेता प्रतिभाशाली और अच्छे वक्ता हैं। लेकिन राहुल गांधी की वजह से उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। पीएम ने अनौपचारिक तौर पर कहा कि कांग्रेस पार्टी इसलिए व्यवधान करती है क्योंकि विपक्ष में भी कुछ ऐसे नेता हैं जो राहुल गांधी से बेहतर बोलते हैं और वो ऐसा नहीं चाहते। प्रधानमंत्री मोदी ने यह टिप्पणी एक अनौपचारिक चाय पार्टी के दौरान की, जिसमें कोई भी विपक्षी सांसद शामिल नहीं हुआ। यह बैठक केवल एनडीए के सांसदों और नेताओं तक सीमित रही। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी सांसदों को संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए बाध्य होना पड़ता है, क्योंकि वे राहुल गांधी से बेहतर वक्ता हैं लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता। प्रधानमंत्री के अनुसार, यह रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए हानिकारक है।

### विपक्ष में राहुल गांधी से बेहतर वक्ताः पीएम

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी एक चाय पार्टी के दौरान की, जिसमें किसी भी विपक्षी सांसद ने भाग नहीं लिया और यह एनडीए के नेताओं तक ही सीमित रही। चाय पार्टी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि विपक्षी सांसद संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि वे राहुल गांधी से बेहतर वक्ता हैं, लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता उन्हें प्रोत्साहित नहीं करना चाहते। विपक्षी सांसदों द्वारा संसद की कार्यवाही नियमित रूप से बाधित की जाती रही है।

### स्पीकर की टी पार्टी में नहीं पहुंचे राहुल गांधी

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकालीन समय के स्थगित होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने टी पार्टी दिया। टी पार्टी में पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्रियों समेत एनडीए के नेता पहुंचे लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्ष का एक भी सांसद इसमें शामिल नहीं हुआ। लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद स्पीकर ओम बिरला की ओर से टी पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और एनडीए के नेता शामिल हुए, लेकिन विपक्ष की ओर से कोई भी सांसद मौजूद नहीं रहा। यहां तक कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस आयोजन में हिस्सा नहीं लिया।

### लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ने मानसून सत्र में कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा प्रकट करते हुए कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मयार्दा के अनुरूप नहीं है। अठारहवीं लोकसभा के पांचवें सत्र की शुरूआत 21 जुलाई को हुई थी जिसमें 14 सरकारी विधेयक पेश किए गए और 12 विधेयक पारित किए गए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी दलों के व्यवहार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सदन में नियोजित ढंग से व्यवधान डाला गया, जो न केवल लोकतंत्र बल्कि सदन की गरिमा के भी खिलाफ है।

# उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दो अतिरिक्त सचिव बनाए गए पर्यवेक्षक

**एजेंसी/नई दिल्ली**

चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के दो अतिरिक्त सचिवों को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ये अधिकारी मतदान से लेकर मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। आयोग ने केंद्र सरकार में कार्यरत दो अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारियों को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। माना जा रहा है इस फैसले से चुनावी प्रक्रिया की निगरानी और मजबूत होगी तथा किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। चुनाव आयोग के इस निर्णय का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ हो। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से मतदान की प्रक्रिया, मतगणना और अन्य तकनीकी पहलुओं पर बारीकी से निगरानी रखी जाएगी। अधिकारियों का काम होगा कि वे पूरे चुनावी कार्यक्रम की प्रत्यक्ष देखरेख करें और आयोग को समय-समय पर रिपोर्ट दें। पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त ये दोनों अतिरिक्त सचिव मतदान प्रक्रिया की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इसमें चुनाव से जुड़े सभी दिशा-निर्देशों का पालन कराना, सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखना और मतगणना तक पूरी पारदर्शिता बनाए रखना शामिल होगा। माना जा रहा है कि यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि उपराष्ट्रपति चुनाव में संसद सदस्यों की भागीदारी होती है और किसी भी स्तर पर विवाद की संभावना नहीं छोड़ी जा सकती।

## महाराष्ट्र के पालघर में फार्मा कंपनी में गैस रिसाव, 4 कर्मचारियों की दर्दनाक मौत

**एजेंसी/नई दिल्ली**

**पालघर।** महाराष्ट्र के पालघर जिले के तारापुर-बोईसर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक दवा कंपनी में गुरुवार को गैस रिसाव की घटना में चार कर्मचारियों की मौत हो गई। यह घटना तारापुर-बोईसर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक दवा कंपनी में गैस रिसाव की घटना में चार कर्मचारियों की मौत हो गई। यह घटना मुंबई से लगभग 130 किलोमीटर दूर मेडली फार्मा कंपनी की एक इकाई में दोपहर के समय हुई। पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे के आसपास नाइट्रोजन गैस का रिसाव हुआ। जिससे मौके पर मौजूद कर्मचारी प्रभावित हो गए। इस घटना में कुल छह कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम लगभग छह बजे चार की मौत हो गई। उन्होंने आगे बताया कि बाकी दो कर्मचारियों को स्थानीय अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज जारी है। घटना की जांच के लिए संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए हैं।

राजनीतिक दलों ने इस घटना की निंदा की

# जनता जिएं...मरें...तड़पते रहें, भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता : राहुल

**एजेंसी/नई दिल्ली**

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार वोट चोरी के मामले को उठा रहे हैं। वोट चोरी के कथित आरोपों के खिलाफ राहुल गांधी बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान गुरुवार को राहुल गांधी ने कहा कि जो सरकार वोट चोरी से बनी हो। क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं आप सभी से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं, जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है। नहीं ना! उन्हें आपके वोट की जरूरत ही नहीं, इसलिए आपकी समस्याओं की परवाह भी नहीं। आज की स्थिति आपके सामने है । रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी के कारण युवाओं के भविष्य बर्बाद हो रहे हैं। सरकार पूंजीपतियों के खजाने भरती रही! राहुल ने कहा कि नीट, एसएससी, पेपर लीक जैसे घोटालों ने लाखों छात्रों के करियर तबाह कर दिए। सरकार ने मुंह ही फेर लिया! महंगाई आसमान छू रही है, जिससे आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। मगर, सरकार टैक्स बढ़ाती गई! रेल हादसों और सड़कों, पुलों जैसे बुनियादी ढांचों के टूटने में सैकड़ों निर्दोष लोगों की असमय मृत्यु हुई। मगर सरकार ने जवाबदेही तक नहीं तय की। आतंकवादी घटनाओं को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, पहलगाम से लेकर मणिपुर तक आतंक और हिंसा की घटनाएं हुईं है। सैकड़ों लोग मरे। सरकार ने जिम्मेदारी तक नहीं ली! नोटबंदी, कोरोना और किसान आंदोलन में लाखों लोगों की जान गई। प्रधानमंत्री ने सहायता तो दूर, संवेदना तक नहीं दिखाई! क्यों। क्योंकि यह सरकार आपकी चुनी नहीं, वोट चोरी से बनी है। आप जिएं, मरें, तड़पते रहें - इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। इन्हें भरोसा है कि जनता वोट दे या न दे, वो चोरी से फिर सत्ता में आ ही जाएंगे।

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी में छात्र-छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां, संगीत महाविद्यालय खोलने की तैयारी जारी

# उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि पर डुमरांव में सजी संगीतमयी शाम

**केटी न्यूज/डुमरांव**

भारत रत्न शहनाई सम्राट उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि बुधवार को डुमरांव में श्रद्धा और संगीतमय माहौल के साथ मनाई गई। अवसर था हरिजी के हाता स्थित बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी का, जहां एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत एकेडमी के नन्हें कलाकार कृष ने हार्मोनियम पर शानदार प्रस्तुति देकर की। उनकी मधुर धुनों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद खुशी, खुशबू, मुन्ना और आचार्य आशीष पांडेय ने क्रमशः शास्त्रीय और अर्धशास्त्रीय प्रस्तुतियों से समा बांधा। प्राचार्या कुमारी सुमन ने भी इस मौके पर एक भजन प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने सराहना के साथ सुना। उन्होंने कहा कि बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी न सिर्फ संगीत प्रेमियों को मंच प्रदान कर रही है, बल्कि यहां प्रभाकर स्तर का कोर्स भी कराया जाता है, जिसमें छात्रों को बेहतरीन प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ. बी.एल. प्रवीण ने कहा कि डुमरांव की माटी से जुड़े उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का नाम पूरी दुनिया में गूंजता है। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार की ओर से डुमरांव में बिस्मिल्लाह खां संगीत महाविद्यालय खोलने का प्रयास जारी है। यदि यह सपना साकार होता है तो न केवल संगीत प्रेमियों को उच्चस्तरीय मंच मिलेगा बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय पहचान हासिल होगी।

श्रोताओं में हरेराम मिश्र, प्रभुनाथ यादव, मदन प्रसाद समेत कई लोग मौजूद रहे, जिन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन को खूब सराहा। मौके पर उपस्थित लोगों ने एक स्वर से कहा कि संगीत को बढ़ावा देने के लिए डुमरांव जैसे ऐतिहासिक नगर में बिस्मिल्लाह खां के नाम पर संस्थानों का विस्तार होना बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन उस्ताद बिस्मिल्लाह खां को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुआ। पूरा वातावरण संगीतमय हो उठा और एक बार फिर साबित हो गया कि उस्ताद की विरासत आज भी डुमरांव की गलियों में सांस ले रही है।

1320 मेगावाट की क्षमता से बदलेगी पूर्वी भारत की तस्वीर

# बक्सर थर्मल पावर परियोजना की पहली इकाई आज होगी उद्घाटित

- ऊर्जा आत्मनिर्भर बिहार की ओर बड़ा कदम, सभी वर्गों को मिलेगा सीधा लाभ

**केटी न्यूज/बक्सर**

बिहार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आज एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गया से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चौसा स्थित बक्सर थर्मल पावर परियोजना की पहली इकाई का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। वर्षों की मेहनत और बड़े निवेश के बाद तैयार हुआ यह पावर प्लांट न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे पूर्वी भारत की ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती देने वाला है।

बक्सर थर्मल पॉवर प्लांट के उद्घाटन की जानकारी मिलने से जिलेवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

**14 हजार करोड़ की लागत से बनी परियोजना**

करीब 14 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अत्याधुनिक पावर प्लांट की कुल क्षमता 1320 मेगावाट है। इसमें दो यूनिट बनाई गई हैं, जिनमें से प्रत्येक की उत्पादन क्षमता 660 मेगावाट है। पहली इकाई का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और सफल परीक्षण के बाद यह आज से औपचारिक रूप से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। दूसरी इकाई पर कार्य अंतिम चरण में है।

रिहर्सल ट्रायल के दौरान चौसा से उत्पन्न बिजली को रोहतास के डिहरी, कैमूर के कर्मनाशा और पटना ग्रिड तक पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि अब ये ग्रिड नियमित बिजली आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

**बिहार की बिजली व्यवस्था को मिलेगी मजबूती**

प्रोजेक्ट कमीशनिंग पदाधिकारी पुलुक उपाध्याय ने बताया कि पहली इकाई शुरू होने के साथ ही बिहार की बिजली आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत होगी। राज्य की बढ़ती औद्योगिक और घरेलू मांग को पूरा करने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि बक्सर पावर प्लांट का शुभारंभ बिहार को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। आधुनिक तकनीक से लैस यह पावर प्रोजेक्ट लंबे समय तक स्थायी और सुरक्षित बिजली उपलब्ध कराएगा।

**2019 में हुआ था शिलान्यास**

गौरतलब है कि इस परियोजना का शिलान्यास वर्ष 2019 में किया गया था। कोरोना महामारी और कई तकनीकी चुनौतियों के बावजूद निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्वी भारत में इतने बड़े पैमाने की यह पहली थर्मल पावर परियोजना है, जो आने वाले वर्षों में क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं का आधार बनेगी।

## उद्योग, कृषि और उपभोक्ताओं को होगा लाभ

बक्सर पावर परियोजना के पूर्ण संचालन से उद्योगों, किसानों, शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। इस परियोजना के चालू होने से उद्योग जगत को अब लगातार और स्थिर बिजली आपूर्ति मिलने से छोटे-बड़े उद्योगों को नई गति मिलेगी। किसान वर्ग को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध होगी, जिससे फसलों का उत्पादन और लागत दोनों पर सकारात्मक असर पड़ेगा। जबकि ग्रामीण-शहरी उपभोक्ताओं को घरों में लगातार बिजली आपूर्ति होने से जीवन-स्तर सुधरेगा और बिजली कटौती की समस्या में कमी आएगी।

## रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका

यह परियोजना न केवल ऊर्जा आपूर्ति बल्कि रोजगार के क्षेत्र में भी बड़ा योगदान दे रही है। निर्माण कार्य के दौरान हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला। वहीं संचालन शुरू होने के बाद भी तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। स्थानीय युवाओं के लिए यह सुनहरा अवसर साबित हो सकता है।

## ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बनेगा थर्मल पॉवर प्लांट

बक्सर थर्मल पावर परियोजना का शुभारंभ बिहार के विकास पथ पर एक ऐतिहासिक अध्याय है। यह केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं, बल्कि बिहार की आत्मनिर्भरता, औद्योगिक विकास, कृषि सशक्तिकरण और रोजगार सृजन का नया आधार है। आने वाले समय में यह पावर प्लांट राज्य और देश दोनों की ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बनेगा।

## पूर्वी भारत की ऊर्जा क्षमता को मिलेगी नई दिशा

विशेषज्ञों के अनुसार, इस परियोजना से केवल बिहार ही नहीं बल्कि झारखंड, बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों की ऊर्जा आवश्यकता भी पूरी की जा सकेगी। इससे पूर्वी भारत की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को नई दिशा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास की रफ्तार तेज होगी। जानकारों का कहना है कि यह पावर प्लांट केंद्र और राज्य सरकार दोनों के लिए बड़ी उपलब्धि है। बिहार लंबे समय से ऊर्जा संकट से जूझ रहा था। अब इस परियोजना के जरिये राज्य को न केवल अपनी आवश्यकताएं पूरी करने का मौका मिलेगा, बल्कि भविष्य में अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर उसे अन्य राज्यों को आपूर्ति करने की भी संभावना बनेगी।

# मुरार पंचायत के ठोरी पांडेपुर में विशेष रात्रि फाइलेरिया जांच

**केटी न्यूज/नावानगर**

मुरार पंचायत के ठोरी पांडेपुर ग्राम में बुधवार की रात विशेष रात्रि फाइलेरिया जांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य केंद्र चौगाईं की ओर से रात 9.30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुरार पंचायत के मुखिया श्रवण कुमार ने किया। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए समय-समय पर जांच और सावधानी अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर 91 ग्रामीणों के सैंपल लिए। इनकी जांच के बाद यह पता चलेगा कि कितने लोग फाइलेरिया से संक्रमित हैं और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। टीम के सदस्यों ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के माध्यम से फैलने वाली बीमारी है, जो धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है। शुरूआती जांच और इलाज से इस पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों को बीमारी के लक्षण, दुष्प्रभाव और बचाव के तरीकों की जानकारी दी। लोगों को दवा सेवन, सफाई और मच्छरदानी के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने कहा कि थोड़ी सी सावधानी बरतकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। रात्रिकालीन इस विशेष पहल से ग्रामीण काफी उत्साहित दिखे। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से गांव में जागरूकता बढ़ेगी और फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को गति मिलेगी।

# बक्सर में क्राइम की प्लानिंग कर रहे तीन बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

**केटी न्यूज/बक्सर**

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना क्षेत्र के बुधनपुरवा इलाके से तीन नाबालिगों को हथियारों के साथ पकड़ा है। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के अनुसार, एक नाबालिग के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक विशेष टीम ने छापेमारी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने घर में अटैची में एक देशी पिस्तौल और 14 जिंदा कारतूस रखे होने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि पिस्तौल और 6 कारतूस उसके मृत भाई से मिले थे, जबकि बाकी के 8 कारतूस दो अन्य नाबालिगों से प्राप्त हुए थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सोहनीपट्टी से उन दोनों नाबालिगों को भी हिरासत में ले लिया। इस मामले में पुलिस ने एक देशी पिस्तौल, 14 जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। सभी नाबालिगों पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# कोरान सराय के पास भोजपुर राजवाहा में मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

- चार पांच दिन पहले मौत होने की जताई जा रही है आशंका, पहचान के प्रयास में जुटी पुलिस

**केटी न्यूज/डुमरांव**

कोरान सराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव के समीप भोजपुर राजवाहा में एक युवक का शव मिला है। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास में जुटी है, समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है तथा वह अंडर गारमेंट्स में ही मृत अवस्था में मिला है। शव सड़ने लगा है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी मौत चार पांच दिन पहले ही हो गई थी।

फिलहाल पुलिस उसकी तस्वीर को सोशल मीडिया तथा साइबर सेनानी ग्रुपों के अलावे आस पास के थानों को भेज पहचान का प्रयास कर रही है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शव को नियमों के अनुसार 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार कोरान सराय के रानी बाग के पीछे भोजपुर राजवाहा में देखा गया। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई।

शव मिलने की जानकारी पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ो की भीड़ जुट गई, लेकिन किसी ने उसकी पहचान नहीं की।

अनुमान लगाया जा रहा है कि नहाने के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया होगा तथा पानी के बहाव के साथ बहकर शव कोरान सराय चला आया होगा। वहीं, हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

कोरान सराय की प्रभारी थानाध्यक्ष स्वाति कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव की शिनाख्त की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है कि उसकी मौत कैसे हुई है। फिलहाल इस घटना को ले कोरान सराय तथा आस पास के क्षेत्रों में कई तरह की चचाएं हो रहीं हैं।

## एक नजर

### सिकरौल-बाबुगंज इंग्लिश में राजस्व महाअभियान की शुरूआत, किसानों की उमड़ी भीड़

**नावानगर।** राजस्व महाअभियान के तहत पंचायत स्तर पर शिविर लगाने की शुरूआत सिकरौल और बाबुगंज इंग्लिश पंचायत में हो गई। सिकरौल में यह शिविर मनरेगा भवन पर आयोजित हुआ, जहां पंचायत के सभी मौजा से किसान बड़ी संख्या में पहुंचे। शिविर की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया मनोज कुमार ने की, जबकि संचालन का जिम्मा राजस्व कर्मचारी मिथलेश कुमार ने संभाला। शिविर का निरीक्षण एसडीएम राकेश कुमार ने किया। इस दौरान उनके साथ सीओ रानी कुमारी, सीआई नवीन कुमार राय, अंचल नाजीर पी.एन. मंडल, कर्मचारी रविशंकर कुमार शर्मा और लालजी प्रसाद भी मौजूद रहे। मौके पर एसडीएम ने किसानों को राजस्व महाअभियान की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने बताया कि हर पंचायत में दो-दो दिन का शिविर लगाया जाएगा। यह अभियान 19 अगस्त से शुरू होकर 20 सितम्बर तक चलेगा। एसडीएम ने कहा कि शिविर में जमीन से जुड़े चार तरह के काम किए जा रहे हैं। इनमें जमाबंदी में हुई गलती का सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करना शामिल है। उन्होंने बताया कि किसान अपने आवेदन साक्ष्य के साथ जमा कर रहे हैं और उसकी प्रविष्टि वहीं पर की जा रही है। बाद में आवेदन बिहारभूमि पोर्टल पर दर्ज हो जाता है, जिससे आवेदकों को ऑनलाइन अपडेट मिलता रहेगा। गांव पहुंचे किसानों ने इस पहल को सराहा और कहा कि पंचायत स्तर पर शिविर लगने से उन्हें प्रखंड कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब उनकी जमीन से जुड़ी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर आसानी से होगा।

### शराब की खेप के साथ कारोबारी गिरफ्तार

**डुमरांव।** डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बंझू डेरा गांव में छापेमारी कर शराब की खेप के साथ एक करोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी धनेजर यादव पिता स्व. शंकर यादव के रूप में हुई है। उसके पास से 1.8 लीटर देशी शराब बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

### भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बने रोहित कुमार

**केसठ ।** भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केसठ मंडल में युवा मोर्चा का नया नेतृत्व घोषित किया है। प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष भारतेंदु मिश्र, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष अविनाश पांडे एवं भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भूवन के निर्देश पर रोहित कुमार को केसठ मंडल का युवा मोर्चा अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष रोहित कुमार को शुभकामनाएं देते हुए मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत तिवारी ने कहा कि इस फैसले से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा मोर्चा के नेतृत्व में रोहित कुमार पार्टी के हितों को प्राथमिकता देते हुए युवा वर्ग को जोड़ने का कार्य करेंगे।घोषणा के बाद कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। सैकड़ों कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ और मिठाई खिलाकर रोहित कुमार का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई दी।

अखिल भारतीय कांग्रेस एससी-एसटी प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर एवं बक्सर-राजपुर विधानसभा प्रभारी घनश्याम राम का जोरदार स्वागत

# बक्सर-राजपुर में कांग्रेस ने भरी हुंकार, महागठबंधन की जीत का किया दावा

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस एससी-एसटी प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर एवं बक्सर-राजपुर विधानसभा प्रभारी घनश्याम राम का जोरदार स्वागत किया गया। राजपुर एवं बक्सर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर कोऑर्डिनेटर घनश्याम राम पार्टी कार्यालय पहुंचे, जहां फूल-माला और अंगवस्त्र देकर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बक्सर और राजपुर कांग्रेस की परंपरागत सीटें

रहेंगी और महागठबंधन जिले की सभी चारों सीटों पर विजय पताका फहराएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1977 में भी जब कांग्रेस पूरे शाहाबाद में संघर्ष कर रही थी, तब बक्सर की जनता ने अकेले कांग्रेस को जिताकर उसकी शान बढ़ाई थी।

कोऑर्डिनेटर घनश्याम राम ने अपने संबोधन में कहा कि वह लगातार बक्सर और राजपुर के गांव-गांव जाकर एससी-एसटी समाज से संवाद स्थापित कर रहे हैं। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को मजबूत करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस संगठन गांव से बूथ स्तर तक सक्रिय रहेगा और चुनाव में महागठबंधन को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर बक्सर विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ. प्रमोद ओझा ने कहा कि बिहार में कांग्रेस लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। महागठबंधन की एकजुटता और जनता का भरोसा देखकर कहा जा सकता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित है और बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस महिला अध्यक्ष निर्मला देवी, महेंद्र चौबे, वीरेंद्र राम, भोला ओझा, विनय कुमार सिंह सहित अनेक नेताओं एवं कार्यकताओं ने शिरकत की। सभी ने कांग्रेस को मजबूत करने और समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का संकल्प लिया। बक्सर जिला कांग्रेस कार्यालय में हुआ यह आयोजन न केवल स्वागत समारोह था, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी का भी संकेत माना जा रहा है। पार्टी नेताओं की इस सक्रियता से स्पष्ट है कि कांग्रेस बक्सर और राजपुर में संगठन को नया उत्साह देने के साथ-साथ महागठबंधन के लिए जीत की नींव मजबूत करने में जुट गई है।

## एक नजर

### मेडिकल दुकानों पर ड्रग्स विभाग की ताबड़तोड़ छापेमारी, कारोबारियों में मची खलबली

**चक्की।** भरियार चौक स्थित मेडिकल दुकानों पर गुरुवार को ड्रग्स विभाग की टीम ने अचानक छापेमारी कर दी। करीब एक बजे से दो बजे तक चली इस कार्रवाई में अधिकारियों ने एक-एक कर दुकानों की गहन जांच की। टीम ने दुकानों में रखी दवाओं के स्टॉक, बिल, लाइसेंस और रजिस्टर का बारीकी से मिलान किया।छापेमारी के दौरान डॉ. अफताब अंसारी की मेडिकल दुकान पर टीम का विशेष फोकस रहा। यहां अधिकारियों ने दवाओं की पैकिंग और स्टॉक रजिस्टर की गहराई से जांच की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए गए। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से इस क्षेत्र की मेडिकल दुकानों से नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जैसे ही छापेमारी की खबर फैली, भरियार चौक के आस-पास अफरातफरी मच गई। कई मेडिकल संचालकों ने अपनी दुकानें बंद कर लीं और स्थिति भांपने लगे। वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर जुट गए और आपस में चर्चा करने लगे कि आखिर किन-किन दुकानों की जांच हो रही है। ड्रग्स विभाग की इस सख्ती ने कारोबारियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि विभाग फिलहाल जब्त किए गए कागजात की जांच कर रहा है। रिपोर्ट तैयार होने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है, तो लाइसेंस रद्द करने से लेकर कानूनी कार्रवाई तक की जा सकती है। अचानक हुई इस रेड से यह साफ हो गया है कि अब विभाग नियम तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शने के मूड में नहीं है। मेडिकल कारोबारियों में यह संदेश गया है कि बिना लाइसेंस, बिल और निर्धारित मानकों के कारोबार करना अब भारी पड़ सकता है।

### चौसा नगर पंचायत की बैठक, विकास योजनाओं को मिली स्वीकृति, होल्डिंग टैक्स वसूली पर जोर

**चौसा।** चौसा नगर पंचायत कार्यालय में गुरुवार को मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक का संचालन कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार ने किया। बैठक में नगर के समग्र विकास से जुड़े कई प्रस्तावों पर मुहर लगी। मुख्य पार्षद ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों के सुचारू संचालन के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित होल्डिंग टैक्स की वसूली आवश्यक है। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि टैक्स का भुगतान नगर के हित में है, क्योंकि इसी राशि से सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। हालांकि टैक्स वसूली से पहले नगरवासियों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। नगर पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार स्ट्रीट लाइट, वेलकम गेट और पेयजल के लिए बोरिंग की स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं विकास चौक, यादव मोड़, दुर्गा मंदिर तथा चौसा गोला चौक के सौंदर्यीकरण के लिए पीडब्ल्यूडी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने का निर्णय लिया गया। नगर के वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को देखते हुए वॉकिंग जोन में सीमेंटेड कुर्सियां लगाने की योजना को भी मंजूरी मिली। साथ ही नली-गली से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर सहमति बनी। बैठक में कनीय विद्युत अभियंता को नगर क्षेत्र में विद्युत खपत का आकलन करने का निर्देश दिया गया ताकि बिजली व्यय और उसकी आवश्यकता का सही आंकलन हो सके। बैठक में समिति सदस्य ललिता देवी, चंदन चौधरी और आनंद कुमार रावत सहित सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारी मोहम्मद अरशद हैदर नकवी, कनीय विद्युत अभियंता तथा प्रभारी प्रधान सहायक सत्य प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि नगर पंचायत प्रशासन अब योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में गंभीर है। नगरवासियों को भी उम्मीद है कि प्रस्तावित कार्यों के पूरे होने से चौसा नगर पंचायत का चेहरा बदल जाएगा।

# शिक्षा माफियाओं से तालमेल कर मध्याह्न भोजन योजना में धांधली का आरोप

- थाली खरीद में भी मानकों की हुई है अनदेखी, स्कूलों के बदले मॉफियाओं व चहेतों को मिली जिम्मेवारी
- जिला कार्यक्रम पदाधिकारी व शिक्षा पदाधिकारी पर गंभीर सवाल

**केटी न्यूज/बक्सर**

प्रधान मंत्री पोषण योजना (मध्याह्न भोजन) में करोड़ों रुपये के लोकधन की बंदरबांट और नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। जिले के शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी और शिक्षा माफियाओं की कथित मिलीभगत को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह आरोप निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार, पटना द्वारा जारी आदेश की अवहेलना और मनमानी नियुक्तियों से जुड़े हैं।

इस संबंध में तवक्कल राय के डेरा निवासी हरेकृष्ण यादव ने 21 नवंबर 2023 को ही जिलाधिकारी को आवेदन दे इसकी जांच की मांग की थी। लेकिन, अभी तक इस मामले में जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

जिलाधिकारी को दिए आवेदन में हरेकृष्ण ने जिक्र किया है कि 21 नवंबर 2023 को निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार, पटना ने पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि प्रत्येक विद्यालय को थाली क्रय

के लिए राशि सीधे विद्यालय खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसका उद्देश्य यह था कि प्रधानाध्यापक और विद्यालय शिक्षा समिति स्थानीय बाजार से निर्धारित मानक के अनुसार थाली की खरीद कर सकें।

लेकिन आरोप है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रधान मंत्री पोषण योजना, बक्सर और जिला शिक्षा पदाधिकारी, बक्सर ने इस आदेश की अनदेखी करते हुए अपने चहेते लोगों को लाभ पहुंचाने का रास्ता बनाया।

-- नियमों के विरुद्ध संवेदकों की नियुक्ति

शिकायत में कहा गया है कि 2 जनवरी 2024 को ज्ञापांक 02 के तहत अयोग्य, अनुभवहीन और अन्य जिलों से जुड़े संवेदकों को अवैध रूप से नियुक्त कर दिया गया। इन संवेदकों के माध्यम से ही जिलेभर के विद्यालयों में थालियां आपूर्ति कराने का खेल रचा गया, जबकि प्रधानाध्यापक इसकी सहमति नहीं देते।

प्रधानाध्यापकों का कहना है कि वे स्थानीय स्तर पर थाली खरीदने के लिए सक्षम हैं, लेकिन अधिकारियों के दबाव और शिक्षा माफियाओं की धमकियों के कारण उन्हें मनमाने ढंग से थालियां लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि अजय सिंह व अरविंद सिंह लंबे समय से जिला कार्यक्रम पदाधिकारी और शिक्षा पदाधिकारी के साथ तालमेल बनाकर स्कूलों में भ्रष्टाचार का खेल चला रहे हैं।

आरोप है कि ये लोग प्रधानाध्यापकों को डराकर, धमकाकर और कभी-कभी लालच देकर मध्याह्न भोजन योजना से जुड़ी थाली आपूर्ति का ठेका अपने कब्जे में रखते हैं। विभाग द्वारा थाली खरीद के लिए अरविंद सिंह के पुत्र के नाम से संचालित साईं ईटर प्राइजेज को मोटी रकम का भुगतान किया गया है, जो इस बात के प्रमाण है कि दबंगों के इशारे पर विभागीय अधिकारियों ने थाली खरीद में भी मानकों को दरकिनार कर दिया था।

### विद्यार्थियों का हक हो रहा प्रभावित

बता दें कि एमडीएम योजना का मूल उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को पौष्टिक और समय पर भोजन उपलब्ध कराना है। लेकिन शिक्षा माफियाओं और अधिकारियों की मिलीभगत से न केवल भ्रष्टाचार बढ़ा है, बल्कि विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ भी प्रभावित हो रहे हैं। विभागीय जानकारों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर खरीदी जाने वाली थाली की गुणवत्ता बेहतर हो सकती थी, लेकिन बाहरी संवेदकों से आपूर्ति होने वाली थालियों की न गुणवत्ता है और न ही समय पर उपलब्धता।

### गैर विभागीय लोगों की सक्रियता

हरेकृष्ण ने अपने शिकायत में यह भी कहा है कि जिला शिक्षा कार्यालय में गैर विभागीय लोग हमेशा सक्रिय रहते हैं, जिनका मकसद सिर्फ विद्यार्थियों के हक पर डाका डालना है। ये लोग स्वयं को शिक्षा से जुड़ा बताकर अधिकारियों के साथ तालमेल कर लोकधन का दुरुपयोग करते हैं।

### हरेकृष्ण ने बताए थे भ्रष्टाचार के हथकंडे

शिकायतकर्ता हरेकृष्ण के अनुसार विभाग में भ्रष्टाचार के लिए कई हथकंडे अपनाए जा रहे है। जिनमें अधिकारियों और माफियाओं की मिलीभगत से अवैध संवेदकों की नियुक्ति। प्रधानाध्यापकों को धमकाकर थालियां खरीदने के लिए मजबूर करना। विद्यालय खातों में भेजी जाने वाली राशि का दुरुपयोग। आदेशों की अवहेलना कर बाहरी आपूर्तिकताओं को लाभ पहुंचाना। शिकायतकताओं ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की है कि बक्सर जिले में शिक्षा माफियाओं और अधिकारियों की मिलीभगत की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही अवैध संवेदकों की नियुक्ति रद्द कर विद्यालयों को सीधे थाली खरीदने की स्वतंत्रता दी जाए। बता दें कि प्रधानमंत्री पोषण योजना देशभर में लाखों बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन का आधार है। यदि इसमें ही भ्रष्टाचार हावी हो गया तो बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। बक्सर में उठे ये गंभीर आरोप इस ओर संकेत करते हैं कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को त्वरित जांच और कठोर कार्रवाई करनी होगी।

# कर्मनाशा नदी में डूबे युवक का शव 24 घंटे बाद बरामद, गांव में पसरा मातम

**केटी न्यूज/बक्सर**

राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा गांव में बुधवार की शाम कर्मनाशा नदी में डूबे युवक का शव गुरुवार को एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया। करीब 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक का शव गांव से लगभग पांच सौ मीटर दूर भतौरा गांव के पास नदी से निकाला गया। जानकारी के अनुसार सोनपा निवासी शिव शंकर राम का पुत्र अनीश कुमार बुधवार की शाम नदी में स्नान करने गया था। इसी दौरान गहरे पानी और तेज बहाव में वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में प्रशासन ने एसडीआरएफ को बुलाया।

टीम ने लगभग दो घंटे की खोजबीन के बाद शव को बरामद किया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि युवक की खोज में पुलिस, ग्रामीण और एसडीआरएफ ने लगातार प्रयास किया, लेकिन गहरे पानी और तेज धारा के कारण कठिनाई हुई। अनीश दो भाइयों में सबसे बड़ा था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी उसी पर थी। उसकी मौत की खबर से गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीण लगातार उन्हें ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं।

# वार्ड पार्षदों के साथ कार्यकारी चेयरमैन ने ईओ का किया घेराव

- नगर परिषद में पूरे दिन हो-हंगामा की स्थिति बनी रही, ईओ पर मनमानी कार्य करने का लगाया आरोप

**केटी न्यूज/डुमरांव**

नगर परिषद गुरूवार को पूरे दिन हंगामे की स्थिति बनी रही। नप ईओ मनीष कुमार पर संवेदक मनमानीपूर्ण कार्य करने का आरोप लगा रहे थे। इधर लगभग एक माह के बाद ईओ मनीष कुमार ने कार्यालय पहुंच अपना कार्यभार संभाला। ईओ जैसे ही अपने कार्यालय कक्ष में पहुंचे नगर परिषद क्षेत्र में कार्य करने वाले संवेदकों की भीड़ जमा हो गई। काम कराकर भुगतान के लिये सभी ईओ का इंतजार कर रहे थे। इधर ईओ के द्वारा अपने चहेते संवेदकों का भुगतान के लिये चेक काटे जाने को

लेकर, जिसका नहीं कटा हंगामा करने लगे। तीन बार हंगामें की ऐसी ऐसी स्थिति बनी की लगा जैसे ईओ से मारपीट हो जाएगी। ईओ से नाराज चल रहे कार्यवाहक चेयरमैन विकास कुमार ने उपेक्षित संवेदकों को साथ देते हुए उनके साथ शामिल हो गए। गुरूवार को पूरे दिन यह सिलसिला चलता रहा।

इस संबंध में पूछे जाने पर कार्यवाह चेयरमैन ने कहा कि नप के कार्यों में काफी अनियमितता बरती जा रही है। ईओ अपने मनमाने ढंग से भुगतान करने के आदेश और चेक काट रहे हैं। जब से चेयरमैन का पद रिक्त हुआ है, उनकी मनमानी चरम पर है। जो भी भुगतान किया जा रहा है, उसकी सूचना हमें नहीं दी जा रही है। नगर में कार्य कैसे हुए हैं, इसको देखने वाला भी कोई नहीं है। इस मनमानी की शिकायत डीएम और विभाग के प्रधान सचिव से कर दी गई है। कई संवेदकों ने बताया की ईओ के लिये सभी एक समान हैं, लेकिन इन्होंने पक्षपातपूर्ण कार्य कर आपस में ही लड़वा दिया है। संवेदकों का कहना है कि कर्ज लेकर मजदूरों और समाग्री का भुगतान किया गया है। भुगतान में विलंब होने से कर्ज का पैसा बढ़ता जा रहा है। ईओ को सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। सभी ईओ को यहां से हटाने की बात भी कर रहे थे, इसके लिये धरना-प्रदर्शन भी हो सकता है। इस संबंध में ईओ से जब बात की गई तो उन्होंने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि मुझपर गलत आरोप लगाया जा रहा है। धीरे-धीरे सभी का भुगतान किया जाएगा।

एएनसी के अलावे सैकड़ो की संख्या में सामान्य मरीजों ने भी कराया इलाज, दुरूस्त दिखी व्यवस्था

# मरीजों से पूरे दिन गुलजार रहा अनुमंडलीय अस्पताल, प्रभारी डीएस ने संभाली ओपीडी की कमान

**केटी न्यूज/डुमरांव**

गुरूवार को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था बदली-बदली नजर आ रही थी। हालांकि, मरीजों की संख्या भी काफी अधिक थी, बावजूद उन्हें बेहतर इलाज मिला। जिससे मरीज खुश नजर आ रहे थे।

बता दें कि यह बदलाव प्रभारी डीएस डॉ. सुमित कुमार सौरव के कुशल नेतृत्व के कारण देखने को मिला।

दरअसल अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह गुरूवार को छुट्टी पर थे, इस दौरान उन्होंने हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित सौरव को अपना प्रभार दे दिया था। इधर गुरूवार को ओपीडी

में डॉ. लोकेश कुमार की ड्यूटि थी, लेकिन विभाग द्वारा उनकी प्रतिनियुक्ति सिमरी सीएचसी में कर दी गई थी। इस दौरान डॉक्टरों की कमी के चलते ओपीडी बाधित नहीं हो, इसके लिए प्रभारी डीएस डॉ. सुमित हड्डी मरीजों का इलाज कर रहे थे। जबकि ओपीडी की कमान डॉ, जुनैद ने संभाली। जबकि प्रसव पूर्व जांच ( एएनसी ) के लिए महिला चिकित्सक डॉ. श्रुति कुमारी मौजूद थी। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में गर्भवती महिलाएं कतारबद्ध हो अपना प्रसव पूर्व जांच करवा रही थी। जबकि ओपीडी में भी बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज किया गया। मरीजों के भारी संख्या व डॉक्टरों की कमी के बीच गुरूवार को मौजूद डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की तत्परता से मरीजों को बड़ा राहत मिला। जिससे मरीज खुश नजर आ रहे थे। पुराना भोजपुर के गुड्डु कुमार, डुमरांव के पंकज कुमार, रीना देवी समेत दर्जनों मरीजों ने बताया कि आज डॉक्टरों व कर्मियों की तत्परता देखने लायक थी। अस्पताल कर्मियों के कार्यशैली व व्यवहार में आया यह बदलाव मरीजों को राश आ रहा था।

> उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर मरीजों का गुणवत्तापूर्ण इलाज किया गया। अस्पताल प्रबंधन का प्रयास है कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।
>
> **- डॉ. सुमित सौरव, प्रभारी डीएस, अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव**

# नप ने शहर में जलजमाव को रोकने को लेकर जारी किया हेल्पलाइन नंबर

**केटी न्यूज/डुमरांव**

**डुमरांव ।** नगर को वार्ड के मोहल्ले हो या विस्तारित क्षेत्र वार्ड के हर जगह जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। जलजमाव होने से लोगों की परेशानी तो बढ़ ही गई है, घरों में पानी प्रवेश करने लगा है। जलजमाव से वार्ड 33 और 22 को जोड़ने वाली सड़क सफाखाना रोड गड्ढों में तब्दिल हो गयी है, जिसमें पानी भर जाता है। पानी भर जाने से परेशानी बढ़ जाती है, इसकी शिकायत वार्ड पार्षदों से लेकर आमजनों ने किया था। शिकायत मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वच्छता पदाधिकारी राजीव कुमार मजदूरों को लेकर वहां पहुंच गए। फिर गड्ढों को भरवाया और पंपिंग सेट लगाकर पानी को निकलवाया, जिससे आने-जाने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हुई। विदित हो कि नगर परिषद क्षेत्र में कई स्थान ऐसे हैं, जहां जलजमाव की समस्या बराबर बनी रहती है। ऐसे क्षेत्र को जलजमाव से मुक्त करने के लिये नप काफी सक्रीय है। इसके लिये दो हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिस पर कोई फोन कर जलजमाव की शिकायत कर सकता है। हेल्पलाइन जारी होने से नगरवासियों को नप का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया की नागरिकों के द्वारा फोन किये जाने पर उसे दूर करने के लिये मजदूरों को भेज दिया जाता है। शहर स्वच्छ बनें इसपर गंभीरता से काम किया जा रहा है। नागरिकों की परेशानी को दूर करना नप का कार्य है, इसके लिये सभी कर्मियों को एलर्ट रहने के लिये हिदायत दी गई है।

**कार्यशाला का उद्देश्य गहन चिकित्सा कक्ष में गंभीर मरीजों की देखभाल हेतु उन्नत फिजियोथेरेपी तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना था**

# जीएनएसयू में फिजियोथेरेपी के आईसीयू इंटरवेंशन पर कार्यशाला संपन्न

**एजेंसी। रोहतास**

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा दो दिवसीय आईसीयू इंटरवेंशन इन फिजियोथेरेपी कार्यशाला का सफल आयोजन आज संपन्न हो गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य गहन चिकित्सा कक्ष में गंभीर मरीजों की देखभाल हेतु उन्नत फिजियोथेरेपी तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. डॉ. नीरज कुमार निदेशक, डॉ. अभिनिश रंजन डीन, डॉ. नरेंद्र कुमार, विभागाध्यक्ष फिजियोथेरेपी और डॉ. विजय पठानिया आयोजन सचिव की उपस्थिति में हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरूआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से की गई, जिसके बाद शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुए। पहले दिन अतिथि वक्ता डॉ. सुमंता घोष ने विद्यार्थियों को आईसीयू फिजियोथेरेपी से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया। इसमें वेंटिलेटर हैंडलिंग, मरीजों की आईसीयू में उचित पोज़िशनिंग, श्वसन संबंधी तकनीकें, एम्बुलेटरी तकनीकें और एविडेंस-बेस्ड असेसमेंट जैसे विषय शामिल रहे। इसके साथ ही छात्रों को आईसीयू में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी दी गई। दूसरे दिन, प्रतिभागियों को विभिन्न उन्नत श्वसन तकनीकों, मोबिलाइजेशन और असेसमेंट विधियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद आयोजित समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एम. के. सिंह, डॉक्टर कुमार आलोक प्रताप परीक्षा नियंत्रक,भूपेन्द्र नारायण सिंह, डॉ. अभिनिश रंजन डीन, प्रो. डॉ. नीरज कुमार डायरेक्टर और डॉ. नरेंद्र कुमार विभागाध्यक्ष फिजियोथेरेपी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए कार्यशाला का समापन डॉ. विजय पठानिया आयोजन सचिव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यशाला में स्नातक फिजियोथेरेपी छात्र-छात्राओं, इंटर्न्स और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आईसीयू फिजियोथेरेपी प्रैक्टिस को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

# मिट्टी का दीवार गिरने से बुजुर्ग की मौत

**इलाज के दौरान सदर अस्पताल इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने तोड़ा दम**

- **परिजन ने स्वास्थ्य कर्मियों पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण मौत होने का लगाया आरोप**
- **जगदीशपुर थाना क्षेत्र के विमवां गांव में बुधवार की शाम घटी घटना**

**एजेंसी। आरा**

जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के विमवां गांव में बुधवार की शाम मिट्टी का दीवार गिरने से मजदूर की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में गुरुवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं परिजन द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों में लापरवाही बरतने के कारण बुजुर्ग की मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जगदीशपुर थाना क्षेत्र स्व. रामपक्ष पासवान के 65 वर्षीय पुत्र वासुदेव पासवान है एवं वह किसान थे। इधर, मृतक की बेटी रीता देवी ने बताया कि कल शाम जब वह घर के आंगन में बैठे हुए थे। तभी घर का मिट्टी का दीवार उनके ऊपर गिर पड़ा। जिसके कारण उन्हें पैर एवं पीठ में काफी गंभीर चोटे आई थी। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए बुधवार की रात अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर दिया गया। जिसके बाद परिजन उन्हें सर्जिकल वार्ड में ले गए थे। इसी बीच गुरुवार की सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद परिजन उन्हें इमरजेंसी वार्ड में ले आए। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वही दूसरी तरफ मृतक की बेटी रीता देवी ने स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा इलाज में लापरवाही बरतने के कारण उनकी मौत होने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी मैना देवी दो पुत्री रीता देवी,गीता देवी व दो पुत्र अखिलेश पासवान एवं मुन्ना पासवान है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी मैंना देवी परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## पानी भरे गड्ढे में डूबे मजदूर का शव दूसरे दिन बरामद

**धोबहा थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा गांव में बुधवार की शाम घटी घटना**

जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा गांव में पानी भरे गड्ढे में डूबे मजदूर का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा स्थित पानी भरे गड्ढे से गुरुवार की सुबह बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार मृतक डूबा थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा गांव निवासी स्व.ललन कहार के 40 वर्षीय पुत्र भुअर कहार है। वह राजमिस्त्री में लेबर का काम करता था। इधर, मृतक के ग्रामीण नकुल शुक्ला ने बताया कि बुधवार की शाम वह मजदूरी कर घर वापस लौटा और गांव में ही स्थित पानी भरे गड्ढे के किनारे शौच करने के बाद पानी छूने के लिए गए थे। तभी उसका पैर फिसल गया और वह भरे गड्ढे में गिर कर डूब गया। इसके बाद वह मौजूद लड़कों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। जिसके बाद परिजन वहां पहुंचे और गड्ढे में घुसकर उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद गुरुवार की सुबह परिजन दुबारा पानी भरे गड्ढे में घुसकर उसे खोजना शुरू किया। कुछ देर खोजने के बाद उसके शव को पानी से बाहर निकल गया। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां तेतरा देवी, पत्नी बबीता देवी व तीन पुत्री चांदनी,,खुशी एवं छोटी है। इस घटना के बाद मृतक की मां तेतरा देवी, पत्नी बबीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## पानी बड़े गड्ढे में डूबने से मजदूर की मौत

**अजीमाबाद थाना क्षेत्र के नारायणगंज बालू घाट के समीप गुरुवार की सुबह घटी घटना**

आरा। जिले के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के नारायणगंज बालूर घाट के समीप पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक अजीमाबाद थाना क्षेत्र के अजीमाबाद वार्ड नंबर 14 निवासी स्व.सफीक का 34 वर्षीय पुत्र अकबर अली है। इधर, मृतक के चाचा शाह मोहम्मद अहसन ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह नारायणगंज बालू घाट के समीप पानी गड्ढे के किनारे पानी छूने गया था। तभी उसका पैर अंदर धस गया। जिसके कारण वह पानी भरे गड्ढे में डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मौजूद लोगों ने इसकी सूचना उसके परिजन एवं स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना वहां पहुंची। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकल गया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई में बड़ा था। उसके परिवार में मां सैरुन निशा एवं एक भाई मो.इस्लाम है। इस घटना के बाद मृतक की मां सैरुन निशा एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## दलीय और दबे-कुचले समाज के सवालों को लेकर उनके साथ सूर्य मंदिर पर सभा

**एजेंसी। आरा**

सूर्य मंदिर कलक्ट्री तालाब आरा, पर रंगकर्मी एंव समाजिक कार्यकर्ता, (जनसुराजी) अशोक मानव के नेतृत्व में बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया। इसकी सुरुवात आरा के रंगकर्मियों के द्वारा क्रांति गीत से की गई। जो आकर्षण का केंद्र रहा। अशोक मानव ने कहा कि अब दबे कुचलों की आवाज जनसुराज बनेगी, जिसकी सुरुवात टेंम्पू चालक के समस्याओं को लेकर सुरुआत कर दी गई है से इसके बाद निगम के सफाई कर्मियों के सवालों ले कर संघर्ष की रणनीति बनाई गई। उन्होंने उपस्थि सफाई कर्मियों से कहा कि इसके लिए आप सभी को अपने ज्वलन्त सवालों को प्रताव के रूप में जनसुराज के पास देना पड़ेगा। इस सभा की खास बात यह थी कि दलित, मजदूर, ठेला चाक, टेंम्पू चालक, रेडी वालों की सँख्या काफी थी। इस सभा की अध्यक्षता शहर की चर्चित शिक्षाविद डॉ सैलजा सिंह और संचलन अशोक मानव ने किया। सभा के अंत में उपस्थित लोगो ने दोनों हाथ उठाकर जोरदार नारों के साथ अपनी सहमति व्यक्त की।धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष राहुल सिंह ने किया। समाप्ति के बाद दलित और दबे कुचले लोगों ने की भारी संख्या की भिंड उमड़ पड़ी जनसुराज के द्वारा परिवार लाभ कार्ड और सदस्यता फॉर्म भरवाने के लिए। जो लगभग 8 बजे रात तक सूर्य मंदिर परिसर में चली। सम्बोधन करने वालों में उपस्थित जनसुराजी प्रमुख व्यक्तियों में सर्जन डॉ बिजय गुप्ता, बम ओझा, भानु गुप्ता, महिला नेत्री सलमा बेगम, मो जाकिर हुसैन, राहुल सिंह, उपेंद्र यादव, वीरेंद्र पांडे, सोनू पासवान, अनिल सिंह, धनंजय सिंह, दीपक सिंह, कमल सिंह, कवक्षेन्द्र सिंह, मो चांद, करण कुमार, लड्डू भोपाली, साहेब लाल, चैतन्य कुमार, डॉ अनिल सिंह, मो फिरोज, किशन सिंह, प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## मतदाता सूची से नाम काटने पर बवाल, भोजपुर में 1475 ने खुद हटाने की लगाई गुहार

**एजेंसी। आरा**

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण में कटे नाम को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है और राहुल गांधी मतदाता अधिकार यात्रा पर हैं। दूसरी ओर भोजपुर जिले के मतदाता इससे बेफिक्र होकर अपने नाम हटाने के लिए दावा-आपत्ति देने में तेजी से लगे हुए हैं। यहां सातों विधानसभा क्षेत्र से अब तक 1475 लोगों ने अपना नाम हटवाने के लिए फार्म सात जमा करते हुए चुनाव आयोग से गुहार लगाई है। इसे लेकर सबसे ज्यादा हलचल अगिआंव विधानसभा क्षेत्र में देखी जा रही है, जहां नाम कटवाने की मानो होड़ लगी हुई है।इस मामले में तरारी विधानसभा दूसरे स्थान पर है। हालांकि, जिले के सातों विधानसभा क्षेत्र में अब तक 3005 लोगों ने नाम जोड़ने के लिए भी आवेदन किया है, लेकिन इनमें 95 प्रतिशत युवा मतदाता हैं, जिनका पहली बार सूची में नाम जुड़ना है। भोजपुर जिले में एक अगस्त से शुरू हुआ दावा आपत्ति अभियान के दौरान 18 अगस्त तक जिले में सबसे ज्यादा नाम हटाने के लिए 632 लोगों ने अगिआंव विधानसभा क्षेत्र में आवेदन जमा किया है। इसके बाद तरारी में 199, आरा में 180, शाहपुर में 174, जगदीशपुर में 136, संदेश में 108 और सबसे कम बड़हरा विधानसभा में महज 46 लोगों ने नाम हटाने का आवेदन जमा कर दिया है। इन सभी आवेदनों में सबसे ज्यादा दोहरी प्रविष्टि और स्थाई रूप से दूसरे जगह चले गए लोगों के द्वारा आवेदन दिए गए हैं। वहीं इनमें कई मृत लोगों के परिजनों के द्वारा दिए गए आवेदन भी शामिल हैं। दूसरी तरफ भोजपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्र में अब तक 3005 लोगों ने नाम जोड़ने के लिए फार्म छह आवेदन जमा किए हैं। हालांकि, इनमें लगभग 95 प्रतिशत आवेदन युवा मतदाताओं के हैं, जिनके नाम पहली बार जुड़ने हैं। जिसमें सबसे ज्यादा आरा शहरी विधानसभा क्षेत्र से 821, तरारी से 486, शाहपुर से 390, अगिआंव से 378, बड़हरा से 357, संदेश से 323 और सबसे कम जगदीशपुर विधानसभा से मात्र 250 आवेदन जमा हुए हैं।

इधर, किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए फार्म आठ का आवेदन जमा किया गया है, जिसमें कुल आवेदनों की संख्या 2611 है। इसमें सबसे ज्यादा आरा विधानसभा से 742, तरारी से 431, अगिआंव से 351, शाहपुर से 315, संदेश से 275, बड़हरा से 237 और सबसे कम जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र से 260 आवेदन जमा किए गए हैं।

# सीबीएसई राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अंशु का हुआ चयन, जिला में खुशी

**एजेंसी। रोहतास**

नारायण वर्ल्ड स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र अंशु कुमार का चयन सीबीएसई राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है अब यह छात्र अगली बार होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेगा। मंगलवार 19 अगस्त की संध्या को प्राप्त इस समाचार ने विद्यालय परिवार को गर्व से भर? दिया जब कक्षा 10वीं के छात्र अंशु के चुने जाने की खबर आई। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के न्यू एंजल्स सीनीयर सेकेंड्री स्कूल में आयोजित सीबीआई पूर्वी जोन क्लस्टर खेलों की अंडर -17 की 70 से 75 किलो वजन क्षमता वाले बॉक्सिंग प्रतियोगिता में नारायण वर्ल्ड स्कूल के इस उभरते सितारे ने 480 खिलाड़ियों के विरुद्ध अपने मुक्केबाजी के कौशल को? प्रदर्शित कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की है। इस प्रतियोगिता के लिए अंशु ने भारतीय खेल? प्राधिकरण के हिमाचल प्रदेश बॉक्सिंग यूनिट में लगभग एक माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि अंशु विद्यालय के शुरूआती दिनों से ही खेल? भावना से अत्यंत प्रभावित रहा है और बॉक्सिंग को ही वह अपना करियर बनाना चाहता है। अंशु 42 बिहार बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर सासाराम के अधीन कैडेट के तौर पर भी अपना प्रशिक्षण जारी रखे? हुए है। अंशु मानते हैं कि नारायण वर्ल्ड स्कूल और राष्ट्रीय कैडेट कोर ने उसे एक आदर्श खिलाड़ी बनने में पूरा सहयोग और सामर्थ्य प्रदान किया है। अंशु को 42 बिहार बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर सासाराम के कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक ने भी शुभकामनाएं दी और यह निर्देशित किया की अंशु को बटालियन की ओर से तीन हजार रुपए की खेल प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाए। अपनी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार को आभार व्यक्त करते हुए अंशु ने अपने माता-पिता और विद्यालय की निदेशक डॉ मोनिका सिंह से प्राप्त विशेष अनुराग को भी इंगित किया और यह स्पष्ट किया कि खिलाड़ी के लिए उसके समाज का सहयोग अति महत्वपूर्ण है।

## एक नजर

### नगर की समस्याओं से भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने डीएम को कराया अवगत

**बिक्रमगंज ।** भारतीय जनता युवा मोर्चा रोहतास जिलाध्यक्ष रितेश राज ने जिलाधिकारी उदिता सिंह से गुरुवार को मिलकर काराकाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिक्रमगंज नगर परिषद में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सड़क किनारे दुकान लगा रहे दुकानदारों को आए दिन अपनी दुकान हटानी पड़ती है। जिससे नगर परिषद के दुकानदारों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बिक्रमगंज नगर परिषद में सड़क किनारे दुकान लगा रहे दुकानदारों की इन समस्याओं के उचित समाधान करने हेतु आग्रह किया। जिससे वो अपनी दुकान लगा सके। अपना जीविकोपार्जन एवं परिवार का जीवनयापन कर सके। जिस पर जिलाधिकारी ने बिक्रमगंज नगर परिषद में सड़क किनारे दुकान लगा रहे सभी दुकानदारों के समस्याओं की उचित समाधान करने का आश्वाशन दिया।

### अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बिक्रमगंज प्रशासन ने चलाया अभियान

**बिक्रमगंज।** गुरुवार को बिक्रमगंज नगर में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस अभियान की अगुवाई अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने की।अभियान के दौरान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी जमाल अख्तर अंसारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित प्रताप सिंह समेत कई विभागीय अधिकारी व नगर परिषद के कर्मी मौजूद रहे । सुबह से ही प्रशासनिक अमला नगर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचा और सड़क व फुटपाथ पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाना शुरू किया । इस बीच कई दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। कई लोगों ने अपने सामानों को खुद ही दुकान के अंदर समेटना शुरू कर दिया,वहीं कुछ लोग प्रशासन से मोहलत की गुहार भी लगाते नजर आए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नगर की मुख्य सड़कों व बाजार क्षेत्र में आमजन की सुविधा और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की स्थिति पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी । वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया । लोगों का कहना था कि अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती थी । अब सड़क और बाजार क्षेत्र अपेक्षाकृत व्यवस्थित हो पाएगा ।

### नदी में डूबने से स्कूल जा रहे बालक की मौत

**आरा।** जिले के चांदी थाना क्षेत्र के सुंदरा गांव में बुधवार की सुबह नदी में डूबने से स्कूल जा रहे एक बालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृत बालक चांदी थाना क्षेत्र के सुंदरा गांव निवासी अनिल कुमार सिंह का 9 वर्षीय पुत्र अवि कौशिक कुमार है एवं वह पहली कक्षा का छात्र था। इधर, मृत बालक के चचेरे भाई प्रिंस कुमार ने बताया कि वह रोज की तरह बुधवार की सुबह भी स्कूल जाने के लिए निकला था। इसी बीच रास्ते में नदी किनारे उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर कर डूब गया। शाम में छुट्टी के बाद जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन करना शुरू किया। खोजबीन के दौरान उन्होंने कई लड़कों से भी उसके बारे में पूछा किसी ने कुछ नहीं बताया। जब वह नदी के पास गए तो उसका कपड़ा पानी में के ऊपर दिखा। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने नदी में घुसकर उसे पानी से बाहर निकाला और अपनी संतुष्टि को लेकर उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जाता है कि मृत बालक अपने दो भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां पिंकी देवी व एक भाई आदित्य कौशिक एवं एक बहन अदिति कौशिक है। इस घटना के बाद मृतक बालक की मां पिंकी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### भोजपुर की चर्चित दवा दुकान जैन एण्ड कंपनी पर छापेमारी, विक्रय पर लगी रोक

**आरा।** स्थानीय धर्मन चौके के समीप स्थित शहर की चर्चित दवा दुकान जैन एण्ड कंपनी में जिले के ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम द्वारा संयुक्त छापेमारी की गई। छापेमारी में जांच के दौरान 15 औषधियों का क्रय विपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा अनुसूची एच-1 के तहत खुदरा दवाओं के विक्रय का संधारण नहीं किए जाने की पुष्टि होने के बाद उक्त दवा दुकान में तत्काल प्रभाव से विक्रय पर रोक लगा दी गई। जांच टीम से मिली जानकारी के मुताबिक दवा दुकान से दो संदिग्ध औषधियों का नमूना संग्रह किया गया, जिसे जांच और विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच टीम में शामिल औषधि निरीक्षक भोजपुर बृजमोहन प्रसाद, राकेश कुमार, उमा कुमारी एवं राजनंदिनी ने बताया कि इस मामले में सौंपे जा रहे प्रतिवेदन के आधार पर दवा दुकानदार के खिलाफ ड्रग कास्मेटिक एक्ट 1940 के तहत विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

### अपहरण और हत्या की प्राथमिकी दर्ज

**पीरो।** हसनबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हसनबाजार में रेलवे ट्रैक के समीप में कातर निवासी ऋतिक कुमार का शव बरामद होने के बाद इस मामले में अपहरण और हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गयी है. पुलिस के अनुसार मृतक के पिता वार्ड सदस्य उमेश कुमार सिंह के बयान पर पहले अपहरण की प्राथमिकी दर्ज की गयी थी, लेकिन बुधवार को अपहृत युवक का शव बरामद होने के बाद उसमें हत्या की धाराएं शामिल कर मामले का अनुसंधान किया जा रहा है. युवक के हत्यारों की पहचान करने में पुलिस तन्मयता से जुटी हुई है. बता दें कि बीते मंगलवार को हसनबाजार के कातर निवासी उमेश कुमार सिंह का पुत्र ऋतिक कुमार गायब हो गया था. इस मामले में उमेश कुमार सिंह द्वारा थाना में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराये जाने के बाद पुलिस छानबीन में जुटी हुई थी, लेकिन इसी दौरान बुधवार की शाम पुलिस ने कातर गांव के समीप ही रेलवे ट्रैक के पास से युवक का शव बरामद किया था. पुलिस मामले की छानबीन के जुटी हुई है।

### ऑटो सवारों से जबरन रुपये और मोबाइल छीने, दो गिरफ्तार

**पीरो।** ठस्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर गटरिया पुल के समीप बुधवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने एक ऑटो से जा रहे लोगों को जबरन रोक कर उनके पैसे और मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है. इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है. मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात करीब 9 बजे एक ऑटो पर सवार होकर कुछ लोग बिक्रमगंज से गड़हनी की ओर जा रहे थे.बताया जाता है कि ऑटो जैसे ही गटरिया पुल के समीप पहुंचा, वहां घात लगाये अपराधियों ने ऑटो को जबरन रोक लिया और ऑटो चालक के अलावा ऑटो में बैठे अन्य लोगों के रुपये पैसे छीन लिये. इस दौरान अपराधियों ने कुछ लोगों का मोबाइल फोन भी छीन लिया और मैके से भाग निकले. इधर घटना के बाद पीड़ित लोगों के तत्काल इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी. जानकारी मिलने के बाद पीरो की सहायक थानाध्यक्ष भावना राय के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और ऑटो सवार लोगों से मिली जानकारी के आधार पर तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी. इस मामले में पुलिस ने रात्रि में ही बलुआ टोला निवासी संजीत कुमार और अमित कुमार नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और इस घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है. जबरन छिनतई के इस मामले में ऑटो सवार बिक्रमगंज निवासी संदीप प्रसाद के बयान पर पीरो थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

## 13 योजनाओं को मिली स्वीकृति

# 82 करोड़ से अधिक की लागत से 9 जिलों के पथ और पुलों का होगा कायाकल्प

**एजेंसी। पटना**

मंत्री ने बताया कि विभिन्न जिलों के कई पथों और पुलों का कायाकल्प किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को स्वीकृत योजनाओं में कटिहार की दो, सीतामढ़ी की दो, वैशाली की दो, सुपौल की दो, सारण की एक, पूर्वी चंपारण की एक, मुजफ्फरपुर की एक, समस्तीपुर की एक और नालंदा की एक योजना शामिल है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को राज्य योजना मद अंतर्गत 9 जिलों की 13 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इन योजनाओं में पथों का जीर्णोद्धार, चौड़ीकरण,

मजबूतीकरण और नाला निर्माण का कार्य शामिल है। इन सभी परियोजनाओं पर 82 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी।मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग द्वारा राज्य की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। लक्ष्य है कि बिहार के प्रत्येक जिले को मजबूत और गुणवत्तापूर्ण सड़कों से जोड़ा जाए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार, प्रशासन और परिवहन तक आम जनता की सुगम पहुंच सुनिश्चित हो सके।उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों के कई पथों और पुलों का कायाकल्प किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को स्वीकृत योजनाओं में कटिहार की दो, सीतामढ़ी की दो, वैशाली की दो, सुपौल की दो, सारण की एक, पूर्वी चंपारण की एक, मुजफ्फरपुर की एक, समस्तीपुर की एक और नालंदा की एक योजना शामिल है।स्वीकृत योजनाओं में सीतामढ़ी जिले में रसलपुर-बाजपट्टी-गाढ़ा पथ पर 20वें किलोमीटर पर उच्च स्तरीय आरसीसी पुल निर्माण और मेजरगंज से ढेंग पथ तक 3000 मीटर आरसीसी नाला निर्माण शामिल है। वैशाली जिले में पंडसरिया चौक (लोहापुल) भरत चौक-6 लेन गंगा पुल पहुंच पथ का चौड़ीकरण और हाजीपुर में बड़ी सूयूफपुर (जगदम्बा स्थान) से बाजार समिति पथ तक चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य किया जाएगा। सुपौल में एसएच-91 के छातापुर बाजार क्षेत्र में नाला निर्माण और लोहिया नगर चौक से करिहो पथ का चौड़ीकरण व मजबूतीकरण योजना को मंजूरी दी गई है। इसी तरह कटिहार में फलका प्रखंड के फलका बाजार और भंगहा में नाला निर्माण, सारण में सिताब दियारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों तक पथ निर्माण, पूर्वी चंपारण के मेहसी लिंक पथ का चौड़ीकरण, मुजफ्फरपुर के मंझौली कटरा पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, समस्तीपुर के हसनपुर-विथान पथ पर स्थित पुल का गार्डर रेट्रोफिटिंग और नालंदा के अस्थावां-सकसोहरा पथ में कुम्हारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण शामिल है।

# ट्रक और कार की जोरदार टक्कर, तीन की गई जान

**हाजीपुर।** बिहार में शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन सड़क हादसे में लोगों की जान नहीं जाती हो इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला हाजीपुर से निकल कर सामने आ रहा है। जहां सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद इलाके में हड़कंप का माहौल कायम हो गया है। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच में लग गई है। जानकारी के मुताबिक, हाजीपुर के काजीपुर थाना क्षेत्र के एकाड़ा आरओबी पर ट्रक और कार की जोरदार टक्कर हो गयी। इस हादसे में कार सवार विशाल कुमार (26) और बाइक सवार (कौशल किशोर वकील 48) की मौत हो गई। मृतक वकील अपने घर से वकील संघ के चुनाव में वोट डालने जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर से मुजफ्फरपुर के तरफ से कार और ट्रक में इतना भीषण टक्कर हुआ कि कार पलटी मारते हुए दूसरे लेन में आ रहे बाइक सवार अधिवक्ता को रौंदते हुए पलट गई। जिससे कार चालक और बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके अलावा वही सहदुल्लाहपुर में बाइक सवार युवक मंजीत कुमार अपने भाई की शादी की खरीदारी करने जा रहा था जिसे टैंकर ने रौंद दिया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गय। घटना की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल में अधिवक्ता के परिजन से मिलने वैशाली के विधायक सिद्धार्थ पटेल पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दिया।

# पीएम मोदी के आगमन को लेकर गया जी जंक्शन पर कड़ी सुरक्षा

## विभिन्न जिलों से 200 से अधिक जवानों की तैनाती

■ सीसीटीवी और डॉग स्क्वायड की मदद से निगरानी

**एजेंसी। गया जी**

आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर रेलवे सुरक्षा बल पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में चप्पे-चप्पे पर जवान तैनात हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एकदिवसीय दौरे पर गया पहुंचेंगे। इस दौरान वे बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय परिसर में जनसभा को संबोधित करेंगे और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत एक्सप्रेस और बुद्ध सर्किट मेमू ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे।पीएम मोदी के आगमन को लेकर गया जंक्शन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्टेशन परिसर में रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्र्) और रेल पुलिस के जवानों की तैनाती कर दी गई है। गुरुवार को आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और यात्रियों की कड़ी चेकिंग भी कराई। रेल प्रशासन की ओर से गया जंक्शन पर उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। मौके पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे के जीएम, डीआरएम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। स्टेशन को विशेष रूप से सजाया गया है। मंच और पंडाल तैयार कर लिए गए हैं। इससे पहले अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का सफल ट्रायल भी किया गया। पीएम मोदी की सुरक्षा को देखते हुए पटना, राजेंद्र नगर, दानापुर, जहानाबाद और कोडरमा सहित विभिन्न जिलों से करीब 200 सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इनमें 11 एएसआई और 183 जवान शामिल हैं। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर रेलवे सुरक्षा बल पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में चप्पे-चप्पे पर जवान तैनात हैं। यात्रियों की गहन चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा डॉग स्क्वायड की टीम से भी पूरे परिसर की जांच कराई जा रही है। स्टेशन की गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों से कड़ी नजर रखी जा रही है।

### गयाजी में ढट मोदी के आने से पहले बदला रूट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोधगया के मगध विश्वविद्यालय परिसर में 22 अगस्त को जनसभा को संबोधित करेंगे. पीएम मोदी के आगमन से पहले सुरक्षा-व्यवस्था टाइट है. ट्रैफिक रूट में बदलाव किए गए हैं. जिला प्रशासन और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं. सेना के हेलीकॉप्टर से मॉक ड्रिल किया गया है।

### सीएम नीतीश समेत कई मंत्री होंगे शामिल

डीएम शशांक शुभंकर और एसएसपी आनंद कुमार तैयारियों को देख रहे हैं. जिला प्रशासन और एसपीजी के साथ फुलप्रूफ सुरक्षा-व्यवस्था की गई है. पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बिहार के सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सहित कई केंद्रीय मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल होंगे. ीएम मोदी कई योजनाओं की सौगात देंगे. गया से नई दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन और बुद्ध सर्किट ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. विश्वविद्यालय परिसर में करीब 40 एकड़ भूमि पर पंडाल बनाया गया है. चार से पांच लाख से अधिक लोगों के आने की संभावना जताई जा रही है।

### सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी

एसएसपी आनंद कुमार ने गुरुवार को बताया कि मल्टी लेयर में सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम हैं. सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है. सभी रूटों पर पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी।

# बिहार चुनाव से पहले 15 पार्टियों पर लटकी तलवार, आयोग ने भेजा नोटिस

**एजेंसी। पटना**

बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा का चुनाव होना है। ऐसे में इस स चुनाव से पहले आयोग अपने तरफ से तैयारियों को अंतिम रूप देने में लग गई है। आयोग हर राजनीतिक दलों पर खास नजर बनाई हुई है। इतना ही नहीं चुनाव आयोग यह भी देख रही है बिहार में कौन-कौन सी राजनीतिक दल चुनाव लड़ने योग्य है और कौन नहीं। इसी कड़ी में अब आयोग ने अब नया लिस्ट जारी किया है जिसमें 15 पार्टी को नोटिस जारी किया गया है। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले 15 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द होने की तलवार लटक गई है। चुनाव आयोग

ने इन दलों को कारण बताओ नोटिस भेजकर डिलिस्ट करने की तैयारी कर ली है। इनमें भारतीय युवा जनशक्ति पार्टी, जनता दल हिंदुस्तानी, राष्ट्रीय सद्भावना पार्टी, मिथिलांचल विकास मोर्चा समेत अन्य दल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि चुनाव आयोग ने इन सभी दलों से 1 सितंबर को दोपहर में 3 बजे बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के सामने उपस्थित होकर जवाब देने को कहा गया है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि जिन पार्टियों को नोटिस भेजा गया है, उन्होंने बीते 6 सालों में एक बार भी चुनाव नहीं लड़ा है। इसके बावजूद वे लोक प्रतिनिधित्व कानून के तहत पंजीकृत राजनीतिक दलों को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसके बाद अब आयोग इन पार्टियों को डिलिस्ट करने जा रही है। ये सभी गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं, जो भारत निर्वाचन आयोग से रजिस्टर्ड हैं। इनके ऊपर देश में राष्ट्रीय/राज्य/गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29अ के तहत एक्शन लिया जाएगा।

# बिहार में राजस्व महा अभियान के दौरान इन कर्मियों के ट्रांसफर पर लगी रोक

### सरकार ने जारी किया आदेश

**एजेंसी। पटना**

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तत्वावधान में चल रहे राजस्व महाझअभियान के दौरान रैयतों को समय पर सेवा देने और शिविरों के कामकाज में तेजी लाने के लिए विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। अब अभियान की अवधि में राजस्व कर्मचारियों के तबादले और अनुशासनात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि हाल में जिन राजस्व कर्मियों का एक अंचल से दूसरे अंचल में स्थानांतरण हुआ है, उन्हें अभी उनके पुराने हल्के में ही प्रतिनियुक्त किया जाए। कारण यह है कि नए हल्के से परिचित न होने के कारण जमाबंदी वितरण और शिविर में आवेदन लेने में कठिनाई और देरी हो रही है। पत्र में कहा गया है कि महाझअभियान की सफलता में किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए 20 सितम्बर तक कोई भी निलंबन या अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी, जब तक कि परिस्थिति अत्यंत अपरिहार्य न हो।

# अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर गए पटना नगर निगम के सफाईकमी

■ सबिगड़ने वाली है राजधानी की सूरत

**एजेंसी। पटना**

डेंगू के बढ़ते खतरे के बीच राजधानी पटना में नगर निगम के सफाईकर्मी और वाटर बोर्ड के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। इस हड़ताल से शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है, जिससे सड़कों पर गंदगी फैलने और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। करीब 4000 से अधिक कर्मी अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे हैं। इनकी प्रमुख मांगों में दैनिक कर्मियों की सेवा स्थायी करना, निजीकरण समाप्त करना, प्रभारी व्यवस्था खत्म करना, समान काम के लिए समान वेतन, तथा

बकाया राशि का भुगतान शामिल है। महासंघ के प्रधान महासचिव नन्द किशोर दास ने बताया कि हड़ताल से पहले कर्मचारियों ने मेयर, डिप्टी मेयर, कार्यपालक पदाधिकारी और नगर विकास मंत्री को मांगपत्र सौंपा था, लेकिन किसी भी स्तर पर कोई वार्ता नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण कर्मचारियों को हड़ताल में उतरने को मजबूर होना पड़ा है। प्रदर्शनकारी कर्मी सीएम हाउस तक पैदल मार्च भी करेंगे। बारिश के मौसम में सफाई व्यवस्था ठप होने से पटना की 25 लाख की आबादी को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि राजधानी पटना में बारिश के कारण जगह-जगह जल जमाव की स्थिति है, जिससे पटना में डेंगू का खतरा बढ़ गया है। मंगलवार को पूरे पटना में 150 डेंगू के मरीज पाए गए हैं। इस बीच सफाई कर्मियों की हड़ताल से हालात बिगड़ने की संभावना है।

# आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी, 21 वर्षीय युवक की हुई मौत

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआ पैगंबरपुर पंचायत के गांधी नगर रोड नंबर-5 में बुधवार की देर रात चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान लालू राम का पुत्र रोहित कुमार (21 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, श्रावणी मेला देखने को लेकर पूर्व से चल रहे विवाद में मोहल्ले के ही युवक ने रोहित पर पीछे से चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद गंभीर रूप से घायल रोहित को आनन-फानन में बैरिया स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजन रो-रोकर बदहवास हालत में हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक रोहित और आरोपी पहले से घनिष्ठ मित्र थे।

## रोजगार और विकास को मिलेगा नया आयाम

# बिहार में धार्मिक पर्यटन को नई उड़ान: पीएम मोदी की बड़ी सौगात

**एजेंसी। पटना**

बिहार में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने वाली प्रधानमंत्री की परियोजनाएं रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर सृजित होंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि बिहार में पर्यटन, खासकर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन और आर्थिक मजबूती की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताा कि 22 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गयाजी में बिहारवासियों को 12,992 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इन परियोजनाओं में धार्मिक पर्यटन को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे राज्य की संस्कृति, विरासत और पर्यटन क्षमता को नई पहचान मिलेगी। रेल कनेक्टिविटी में सुधार के तहत वैशाली से कोडरमा तक बुद्ध सर्किट की ट्रेन सेवा शुरू होगी, जो वैशाली, हाजीपुर, सोनपुर, पटना, फतुहा, राजगीर, नटेश्वर, गया होते हुए कोडरमा तक चलेगी। इससे बौद्ध धर्म से जुड़ी कई महत्वपूर्ण धरोहरों को जोड़ने में मदद मिलेगी और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, सिमरिया धाम तक बेहतर संपर्क के लिए 1.86 किलोमीटर लंबा 6 लेन पुल राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर 1,870 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है, जिसका उद्घाटन भी प्रधानमंत्री करेंगे। यह पुल देश के प्रमुख तीर्थस्थल सिमरिया धाम और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मभूमि तक आसान पहुंच सुनिश्चित करेगा। धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में मां जानकी मंदिर का पुनौराधाम (सीतामढ़ी) में निर्माण भी महत्वपूर्ण पहल है, जिसका भूमिपूजन 67 एकड़ भूमि पर हुआ है, और इसकी लागत लगभग 882 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, वैशाली में स्थित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का लोकार्पण हो चुका है, जो पर्यटन को और बढ़ावा देगा।

## सुभाषितम्

स्वतः कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है।

-जे. एफ. कैनेडी

## और लो राजा, अब रोबोट करेंगे बच्चा पैदा होंगे डिजाइनर बच्चे

विज्ञान ने इंसान को जिस दिशा में धकेल दिया है उससे लगता है कि उसने भगवान की शक्तियां प्राप्त कर ली हैं। सनातन धर्म की मान्यता है, कर्म के आधार पर जन्म होता है। अब मशीनों के जरिए मानव भगवान की शक्तियों और कर्म फल के सिद्धांत को सीधे-सीधे चुनौतियां देता नजर आ रहा है। चीन का यह दावा चमत्कार जैसा लग रहा है। रोबोट यदि बच्चे पैदा करेंगे तो यह मानवीय विकास के लिए चिंता भी पैदा करता है। खबर है, कि चीन ऐसा रोबोट बना रहा है जो बच्चे को गर्भ में पालकर 10 महीने में मानव शिशु को जन्म दे सकेगा। मां के गर्भ की जगह अब कृत्रिम गर्भ और मशीनें ले लेंगी। रोबोट के जरिए जो बच्चे पैदा होंगे उन्हें डिजाइनर बच्चों की तरह पैदा किया जा सकेगा। तकनीक के लिहाज से यह उपलब्धि बांझपन जैसी गंभीर समस्या का समाधान हो सकती है। लाखों महिलाएं जो प्राकृतिक गर्भधारण में सक्षम नहीं हैं उनके लिए यह आशा की किरण है। सवाल सिर्फ तकनीकी का नहीं, मानवीय संवेदनाओं का भी है। एक मां जब गर्भ धारण करती है, वह एक प्राकृतिक घटना होती है। अंडाणु और शुक्राणु का नौ महीने का सफर केवल शारीरिक विकास का नहीं होता है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक संवेदनाओं के साथ शिशु पनपता है। गर्भ में पलता शिशु मां की धड़कनें सुनता है। उसके विचारों और भावों को महसूस करता है। गर्भ के दौरान वह ज्ञान भी अर्जित करता है। जीवन जीने की पहली शिक्षा गर्भ से शुरू होती है। महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को गर्भ से ही चक्रव्यूह का ज्ञान प्राप्त हुआ था। आधे-अधूरे ज्ञान के कारण अभिमन्यु चक्रव्यूह तोड़ने में तो सफल हो गया लेकिन चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल पाया। गर्भधारण और जन्म की यह प्रक्रिया केवल जैविक नहीं, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास से भी जुड़ी होती है। ऐसे में सवाल उठता है, क्या मशीनें इस संवेदनात्मक, कुल परंपरा और जैविक रिश्ते, सांस्कृतिक धरोहर की जगह ले पाएगा? बांझपन का उपचार जरूरी है। मां के पेट से बच्चा वह सब कुछ सीखता है, जिस मां के पेट से बच्चे का जन्म होता है। उस परिवार के संस्कार भी उस बच्चे पर आते हैं। रोबोट तकनीक कितने परिवारों को संतान सुख दे पाएगी, यह कहना मुश्किल है। इस तकनीकी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो सकता है। जब रोबोट ठीक कृत्रिम तरीके से बच्चे पैदा करने लगेंगे। लाखों और करोड़ों लोगों को रोबोट के माध्यम से तैयार किया जाने लगेगा। तकनीकी जब ईजाद होती है, तो उसका मकसद बहुत अच्छा होता है। लेकिन अच्छे मकसद के लिए तकनीकी का इस्तेमाल बहुत कम होता है। तकनीकी का दुरुपयोग सबसे ज्यादा होता है। यह अभी तक के निष्कर्ष से जाना जा सकता है। रोबोट के माध्यम से जो बच्चे जन्म लेंगे वह बच्चे के व्यक्तित्व, मां के स्नेह, माता-पिता के गुण, चिंता और प्यार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? गर्भावस्था से लेकर जन्म होने तक का पूरा सफर केवल मशीन और प्रयोगशाला की दीवारों के बीच तय होगा। तो ऐसे बच्चे केवल जैविक ढांचे बनकर रह जाएंगे। इनमें संवेदनाएं नहीं होंगी। इनका वजूद भी मशीनों की तरह होगा। विज्ञान के जरिए जीवन को बेहतर बनाने का समाधान मिल सकता है, लेकिन उसमें संपूर्णता का बोध नहीं हो सकता है। विज्ञान के जरिए सामाजिक और भावनात्मक विचारों का जन्म नहीं हो सकता है। रोबोट तकनीक गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने की मशीन बनेगी। मातृत्व की पवित्रता मानव समाज के गुण, धर्म, संवेदनाएं तथा आक्रामकता का स्थान नहीं ले सकता है। इस तरह के प्रयास मानवता के संबंधों और विकासक्रम में प्रश्नचिन्ह लगाने वाला कदम होगा। आने वाले समय में इंसान का जन्म यदि प्रयोगशालाओं में तय होगा, तो परिवार, रिश्तों और भावनाओं की परिभाषा ही बदल जाएगी। हम इंसानों के रूप में मशीनी इंसान पैदा करेंगे। विज्ञान के चमत्कार पर केवल ताली बजाने से काम नहीं चलेगा।

## चिंतन-मनन

## नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्र्यमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्पवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त विषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सर्वातीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठित किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है। श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मर्यादारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। श्रीरामचरित मानस के श्रवण, मनन तथा चिंतन से अत्यंत विषयासक्त, असदाचारी कठोर हृदय मानव भी पवित्र विचार परायण एवं सदाचारी होकर निर्मल प्रेम भक्ति की रसधारा में सराबोर होकर मुक्ति प्राप्त कर सकता है।

# वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

- ललित गर्ग

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं। भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार मानें, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने। वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है- 'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना'। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोकें। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुंचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है। फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है।

# बापू के व्रत पर आजीवन अडिग रहे शुभकरण बाबू

- कुमार कृष्णन

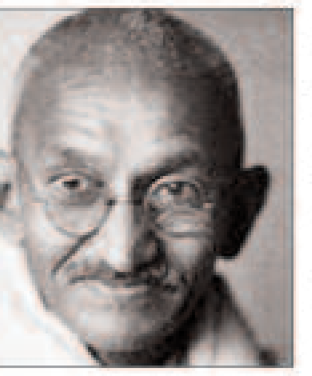

बीते सदी के दूसरे दशक की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में आ गये थे और इससे उन्होंने आम लोगों से जोड़ा। यह वह दौर था, जब 21 मार्च 1919 को रोलेट एक्ट लागू किया गया, इसमें न अपील न दलील और न वकील की व्यवस्था थी। महात्मा गांधी ने 6 अप्रैल 1919 को देशभर में दमनकारी कानून की मुखालफत करते हुए हड़ताल का आह्वान किया और कहा कि-'जबतक यह कानून वापस न ले लिया जाए, सभ्यतापूर्वक मानने से इंकार दें। इसी दौर में जालियांवाला कांड हुआ, जिसने अनेक लोगों को झकझोरकर रख दिया। रविन्द्रनाथ टैगोर ने सर की उपाधि ठुकरा दी। पूर्ण स्वराज का नारा बुलंद हुआ। इस आंदोलन को गति प्रदान करने के लिये बापू का भागलपुर आगमन हुआ। ऐतिहासिक टिल्हा कोठी, जहां अब रविन्द्र भवन है, वहां से आम सभा को संबोधित करते हुए पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को हासिल करने के लिये आर्थिक स्वावलंबन, नैतिक सद्व्यवहार और कुप्रथाओं के उन्मूलन का आह्वान किया। गांधी जी के इस आह्वान ने शुभकरण चुड़ीवाला के जीवन दिशा ही बदल डाली। विदेशी कपड़े की होली जलायी तथा जंगे- आजादी में शरीक हो गये। इस सभा में देश सेवा का जो व्रत उन्होंने लिया वह सिर्फ मुल्क की आजादी तक ही नहीं, बल्कि देश आजाद होने के बाद उसका निरंतर निर्वहन करते रहे। संघर्ष, रचना, अनुशासन और सेवा यह उनके जीवन का लक्ष्य था। एकादश व्रत को पूरी तरह जीवन में उतार लिया था। 22 नवंबर1898 को जन्मे शुभकरण चुड़ीवाला ने सौ साल से अधिक की जिन्दगी जी। यह जिन्दगी अपने परिवार के लिये कम और देश तथा समाज के लिये ज्यादा। उनके गुजरे 17 वर्ष हो गये। पर उन्होंने बिहार में जो मशाल जलायी, उससे चप्पा-चप्पा वाकिफ है। आज जब नैतिक मूल्यों का ह्रास निरंतर हो रहा है, सेवा भाव खत्म हो स्वार्थलोलुपता हावी है, वैसे दौर में शुभकरण बाबू की प्रासंगिकता और ज्यादा बढ़ गयी है। भागलपुर शहर के एक व्यावसायिक घराने में जन्मे शुभकरण बाबू का व्यवसाय उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी था। शुभकरण चुड़ीवाला के सिर से पिता का साया तीन वर्ष की उम्र में उठ गया। गोरखपुर में नाना और मामा के यहां इनकी परवरिश हुई। मिड्ल महाजनी की तालीम हासिल करने के बाद किशोरावस्था से ही इनका लगाव सामाजिक कार्यों से हो गया था। आजादी की लड़ाई उत्तर प्रदेश में जहां दैनिक आज के संस्थापक संपादक बाबू शिवप्रसाद गुप्त, मदन मोहन मालवीय, पुरुषोत्तम दास टंडन, संपूर्णानंद, कमलापति त्रिपाठी, चंद्रभान गुप्त, आचार्य नरेन्द्र देव, हनुमान प्रसाद पोद्दार के सानिध्य में रहकर काम किये, वहीं भागलपुर में राय बहादुर वंशीधर ढांढनियां, दीपनारायण सिंह, पटलबाबू, चारू मजूमदार, प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका, सियाराम सिंह, हरनारायण जैन, पंडित मेवालाल झा, रामेश्वर नारायण अग्रवाल, कैलाश बिहारी लाल, और रासबिहारी लाल आदि के साथ मिलकर काम किया। दीपनारायण सिंह और पटल बाबू की मौत के बाद स्वतंत्रता संग्राम के राष्ट्रीय नेताओं का केन्द्र स्थल उनका मारवाड़ी टोला स्थित आवास और मिरजानहाट स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठान बन गया। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी सौकत अली और मोहम्मद अली के साथ भागलपुर स्थित टिल्हा कोठी आए और आम सभा को संबोधित किया तो उनके आह्वान पर उपस्थित जनसमूह के समक्ष अपने वदन पर पहने विदेशी कपड़े जलायी। वे उस सभा में चारूचंद मजूमदार के नेतृत्व में स्वयं स्वंय सेवक के रूप में तैनात थे। इसी सभा से आजीवन स्वदेशी का व्रत धारण किया। आजादी की लड़ाई के साथ-साथ अपने को भंगी मुक्ति आंदोलन, खादी के प्रचार, चरखा आंदोलन के साथ जोड़ दिया। इन्हीं दिनो उनकी अगुआयी में 1923 में समाज की विभिन्न समस्याओं पर विचार कर सामाजिक स्तर से समाधान करने के मकसद से मारवाड़ी सुधार समिति का गठन किया। इस संस्था की 1938 में इन्हीं की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की बैठक में युवाओं को आत्मरक्षार्थ स्वावलंबी बनाने की गरज से मारवाड़ी व्यायामशाला की बुनियाद डाली। युवाओं को रचनात्मक कार्यों के लिये प्रेरित किया। उनका मानना था कि केवल संघर्ष से परिवर्तन संभव नहीं है। इसके लिए रचना जरूरी है।

जब 1934 में बिहार में भयंकर भूकंप आया और मुंगेर सहित बिहार के कई जिले प्रभावित हुए। मुंगेर के संदर्भ में उन दिनों 'द स्टेटसमेन' में लीड खबर छपी कि-'मुंगेर सीटी इज नो मोर'। डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने इन्हें बिहार रिलीफ कमेटी का सदस्य श्री चूड़ीवाला को बनाया। एक स्वयंसेवक की तरह तीन माह तक मलवे से शवों को निकालने और दाह संस्कार करवाने का काम किया। भूकंप से हुई तबाही और चलाये जा रहे राहत कार्यों का निरीक्षण करने महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और डॉ राजेन्द्र प्रसाद पहुंचे तो इनके सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की।

आजादी की लड़ाई के दौरान संघर्ष में तो सक्रिय रहे ही, साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को आर्थिक मदद भी करते थे। 1937 में भागलपुर में अंग्रेजी हुकूमत का दमन चक्र चल रहा था तो डॉ राजेन्द्र प्रसाद, अब्दुल बारी, बलदेव सहाय सरीखे लोगों के नेतृत्व में सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किया गया। पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों पर बर्बरतापूर्वक लाठियां बरसायी गयी। इस हमले में राजेन्द्र बाबू सहित अनेक लोग घायल हुए। विहपुर का स्वराज आश्रम इस घटना का साक्षी है। डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आत्मकथा में इस घटना का जिक्र किया है।

# राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से कई हित सधेंगे

-ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करके एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। भाजपा ने बहुत सोच-समझकर उन्हें इस प्रतिष्ठित पद का उम्मीदवार बनाया है। वे तमिल हैं, पिछड़े भी हैं, संघ से जुड़े हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने करीबी एवं साफ-सुथरी छवि वाले राजनायक हैं। भाजपा ने जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया, तो यह केवल राजनीतिक गणित का परिणाम नहीं था, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निर्णय था, जो सादगी, ईमानदारी और सेवा की पहचान रखते हैं। उनका चयन भारतीय लोकतंत्र की व्यापकता और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है। अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही आरएसएस का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है। उपराष्ट्रपति पद पर उनका चयन ओबीसी समाज को सम्मान और सशक्तिकरण का नया संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार इस वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया है। राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की नीति को बल दिया है। राधाकृष्णन का चयन इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भाजपा को देशभर में ओबीसी समाज का और अधिक समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा की सामाजिक आधारशिला और मजबूत होगी। भाजपा अपने निर्णयों से हमेशा करिश्मा घटित करती रही है, अपने चतुराई का परिचय देती रही है, सी.पी. राधाकृष्णन का चयन भाजपा की इसी रणनीतिक चतुराई का ही बड़ा उदाहरण है। इससे पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं, दक्षिण भारत में पैठ बनाना, ओबीसी समाज को साधना, विपक्ष को असहज करना और साफ-सुथरी राजनीति का संदेश देना। यह तय है कि उपराष्ट्रपति के रूप में वे न केवल भाजपा बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए सफल नायक सिद्ध होंगे। यह एक संयोग ही कहा जायेगा कि देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

## आज का राशिफल

| | |
|---|---|
| **मेष** आज दिन बेहद उत्तम और संतोषजनक रहने वाला है। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। | **तुला** आज आपको कार्यस्थल पर अपनी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करना पड़ सकता है। |
| **वृषभ** आज व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं। | **वृश्चिक** लंबे समय से आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो अब वह वापस मिल सकता है। |
| **मिथुन** दिन बेहद शुभ रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च पद प्राप्त हो सकता है। | **धनु** कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। |
| **कर्क** कारोबार के मामले दिन अच्छा रहेगा। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। | **मकर** आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। |
| **सिंह** आज कुछ मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के मामले में नए स्रोत बनते नजर आएंगे। | **कुंभ** आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में दिन भागदौड़ भरा रहने की संभावना है। |
| **कन्या** कार्यक्षेत्र में अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी। | **मीन** दिन मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आपको कुछ धन खर्च करना पड़ सकता है। |

## विशेष

### तमिलनाडु में ईडी हो गई सक्रिय, मंत्री के यहां छापा

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने तमिलनाडु के एक मंत्री के यहां छापा डालकर आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापेमारी शुरू कर दी है। इस पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है 'वोट चोरी के आरोपों से नाराज केंद्र सरकार के इशारे पर ध्यान भटकाने के लिए कार्रवाई करने का आरोप लगाकर छापे डाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ना पार्टी मोदी से डरती है, और ना ईडी से डरती है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के पहले स्टालिन की सरकार केंद्र सरकार के निशाने पर है। तमिलनाडु का व्यक्ति उपराष्ट्रपति बन रहा है। इससे समझा जा सकता है, तमिलनाडु को लेकर केंद्र सरकार की प्राथमिकता क्या है।

### मोदी जी ने बनाया नया रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से देश को संबोधित करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। सभी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक सभी उनसे बहुत पीछे रह गए है ऐसा लगता है, इस रिकार्ड को तोड़ना आगे संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बारे में कार्यकाल में लाल किले की प्राचीर से भाषण देते हुए 1030 मिनट बोलने का रिकॉर्ड बना लिया है। सभी पूर्व प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड 500 मिनट से कम का है। रिकॉर्ड बनाने में मोदी जी का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है। यह उन्होंने साबित कर दिया है।

## कार्टून कोना

### आज का इतिहास

1790: जनरल मीडोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने डिंडीगुल पर कब्जा किया. 1808: आर्थर वेलेस्ली के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने फ्रांसीसियों को शिकस्त दी. 1810: नेपोलियन के एक कमांडर मार्शल बर्नेडोते को स्वीडन का युवराज चुना गया. 1959: हवाई अमरीका का पचासवां राज्य बना. 1959: बगदाद समझौते का नाम केंद्रीय संधि संगठन (सेंटो) रखा गया क्योंकि इराक उससे अलग हो गया. 1960: केन्या के राष्ट्रवादी नेता जोमो केन्याटा को नौ साल तक जेल में रखने के बाद ब्रिटेन ने उन्हें रिहा किया. 1961: अमरीका और अल सल्वाडोर के बीच खाद्यान्न के बारे में एक समझौता हुआ था. 1965: दो अंतरिक्ष यात्रियों गोर्डन कूपर और चार्ल्स कानराड को जेमिनी 5 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष भेजा. 1972: वन्य जीव संरक्षण अधिनियम पारित हुआ.

## दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

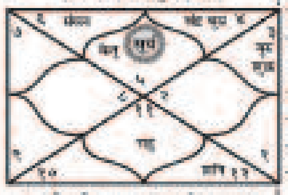

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | सिंह में | सिंह | 05.20 बजे से |
| चंद्र | कर्क में | कन्या | 07.36 बजे से |
| मंगल | कन्या में | तुला | 09.47 बजे से |
| बुध | कर्क में | वृश्चिक | 12.02 ब. से |
| गुरु | मिथुन में | धनु | 14.18 बजे से |
| शुक्र | मिथुन में | मकर | 16.23 बजे से |
| शनि | मीन में | कुंभ | 18.09 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मीन | 19.42 बजे से |
| केतु | सिंह में | मेष | 21.13 बजे से |
| राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक | | वृष | 22.53 बजे से |
| | | मिथुन | 00.51 बजे से |
| | | कर्क | 03.04 बजे से |

2025 वर्ष का 233 वां दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण
**तिथि** त्रयोदशी 12.45 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पुष्य 00.09 बजे को रात्र समाप्त।
**योग** व्यतीपात 16.14 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 12.45 बजे तदनन्तर विष्टि 00.18 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 24.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 06'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872443
**जूलियन दिन** 2460908.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** सफर **तारीख** 26
**विशेष** मासिक शिवरात्रि।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से 05.55 बजे तक |

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagritidaur.com, Bangalore

## कांग्रेसियों ने दिवंगत शिबू सोरेन और रामदास सोरेन को दी श्रद्धांजलि

**धालभूमगढ़, एजेंसी।** बुधवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन तथा मंत्री रामदास सोरेन शोकसभा आयोजित किया गया। इस दौरान दिवंगत आत्मा शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष शतदल गिरी, भूपेश पंडित, विश्वजीत दे, अजीत रविदास, विशाल नामाता, अशोक मदीना, सिंगराई मुर्मू, वीर सिंह मुंडा, आर एन हैदर, दीपू सिंह, वीर बहादुर सिंह, बलराम सिंह, बापी पंडित आदि उपस्थित थे।

## रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने हल्दिया स्टेशनों का किया निरीक्षण

**खड़गपुर, एजेंसी।** रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (स्टेशन विकास-II) डॉ संजीव कुमार गर्ग ने बुधवार को खड़गपुर मंडल के हल्दिया एवं तामलुक स्टेशनों पर चल रहे अमृत स्टेशन परियोजना के विकास कार्यों का गहन निरीक्षण एवं समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ गति शक्ति इकाई के मुख्य परियोजना प्रबंधक भी उपस्थित थे। डॉ संजीव कुमार गर्ग ने कार्यों की प्रगति, डिज़ाइन तथा गुणवत्ता का जायज़ा लिया और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए और कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के साथ-साथ उच्चतम गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों को बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि उन्नत स्टेशन यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेंगे। अमृत स्टेशन परियोजना का उद्देश्य देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान करना है।

## शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल हो दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी, कई संगठनों ले शिक्षा सचिव के समक्ष रखी मांग

**रांची, एजेंसी।** झारखंड आफिसर्स, टीचर्स, इंप्लाइज फेडरेशन के नेतृत्व में झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह से मिलकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी राज्य के स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की मांग की है। फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु के जीवन पर पाठ्यक्रम तैयार करने के दौरान उनके व्यक्तित्व की विशालता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उनकी दूरगामी सोच ने ही तत्कालीन केंद्र सरकार की वनांचली विचारधारा को झारखंडियत सोच में तब्दील करने को विवश कर दिया। झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव रविंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन किसी समुदाय, क्षेत्र अथवा समूह विशेष के नेता नहीं थे। पूरे देश का वंचित वर्ग उनमें अपने प्रतिनिधित्व की झलक देखता है। स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में उनके जीवन वृत्त को सम्मिलित करने से झारखंड जन गण एवं बाल मन को महामानव के संघर्षों से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इसकी जानकारी फेडरेशन के प्रांतीय मुख्य मीडिया प्रभारी सुमित कुमार नंद ने दी। संगठन की मांग पर शिक्षा सचिव ने अपनी सहमति व्यक्त की और उन्होंने कहा कि इस पर व्यापक कार्य करने की आवश्यकता है विभाग इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेगा।

## राज्यभर में चलाया गया बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान, कुल 1188 पर प्राथमिकी दर्ज

**रांची, एजेंसी।** झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने 19 और 20 अगस्त को पूरे राज्य में बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान चलाया। इस दौरान रांची में 131 बिजली चोरी करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं इन पर 19.43 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। राज्यभर में कुल 1188 लोगो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनपर कुल 1.96 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सबसे अधिक बिजली चोरी करने वाले में रांची जिले में ही पकड़े गए हैं। इसके बाद 122 लोगों पर हजारीबाग में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनपर कुल 22.95 लाख का जुर्माना लगाया गया है। 117 लोगो पर डालटनगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनपर 11.63 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। राज्यभर में चले इस छापेमारी अभियान के दौरान कुल 7600 परिसरों में छापेमारी की गई। जेबीवीएनएल के जीएम (एटीपी) श्रवण कुमार ने कहा कि कोई भी व्यक्ति उनके मोबाइल नंबर 94311-35515 पर बिजली चोरी करने वालों की जानकारी दे सकता है। सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा।

## फाउंडेशन ने वृद्धाश्रम में भोजन और फल वितरित किए

**गिरिडीह, एजेंसी।** सुकन्या लक्ष्मी जन सहयोग फाउंडेशन और चैरिटेबल ट्रस्ट ने स्नेहदीप ओल्डेज होम में भोजन सामग्री और फल का वितरण किया। संस्था की सचिव शिल्पा कुमारी ने बताया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से जिले के अलग-अलग इलाकों में गरीब और असहाय लोगों की मदद कर रही है। इसी कड़ी में स्नेहदीप ओल्डेज होम में रहने वाले बुजुर्गों को भोजन के पैकेट और फल दिए गए। मौके पर संस्था के अमित कुमार, मनौवर आलम, छोटी राऊत, करुणा सिंह, संगीता देवी, नीलम शर्मा, पूनम देवी, रेशमी सिंह, कविता देवी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

# हाईकोर्ट ने फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति मामले में राज्य सरकार व जेपीएससी से मांगा जवाब

**रांची, एजेंसी।** झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को सहायक आचार्य शिक्षक (कक्षा 6 से 8) नियुक्ति को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने प्रार्थी राजेश मिस्त्री की ओर से दी गई दलील सुनी।

अदालत ने कहा कि यदि विज्ञापन और नियमावली में टकराव हो तो नियमावली ही प्रभावी मानी जाएगी। इसके बाद अदालत ने प्रार्थी के लिए सामाजिक विज्ञान विषय के तहत पारा शिक्षक श्रेणी में एक पद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने जेएसएससी को इस मामले में छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश भी दिया है। इससे पहले प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन ने अदालत को बताया कि जेएसएससी ने नियुक्ति विज्ञापन में एक शर्त लगाई है कि स्नातक स्तर पर सामाजिक विज्ञान संबंधित विषय को लगातार तीन वर्षों तक पढ़ना अनिवार्य होगा।

जबकि झारखंड प्राइमरी स्कूल असिस्टेंट टीचर (सहायक आचार्य) कैडर नियमावली, 2022 के अनुसार संबंधित विषय में केवल स्नातक की डिग्री ही पर्याप्त है। प्रार्थी का कहना है कि यह अतिरिक्त शर्त पूरी तरह नियम विरुद्ध है। ऐसे में प्रार्थी को राहत मिलनी चाहिए। सुनवाई के बाद अदालत ने जेएसएससी को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने और प्रार्थी के लिए पारा श्रेणी में पद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है।

झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए एक एसओपी बनाई गया है। एसओपी को मंजूरी के लिए संबंधित विभाग को भेजा गया है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद इसे राज्यभर में लागू किया जाएगा। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद में अलग से कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।

ध्वनि प्रदूषण से जुड़ी जो भी शिकायतें आएंगी उसे दर्ज करते हुए संबंधित थाने को भेजा जाएगा। थाना स्तर से इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। महाधिवक्ता ने बताया कि इसमें कुछ समय लगेगा। उन्होंने अदालत से समय देने का आग्रह किया। अदालत ने आग्रह स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को निर्धारित की है। मालूम हो कि पूर्व में हाईकोर्ट ने सरकार को ध्वनि प्रदूषण पर रोक के लिए एसओपी बनाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने गृह सचिव को इस मामले में प्रतिवादी बनाते हुए रात दस बजे के बाद ध्वनि प्रदूषण पर रोक के लिए एसओपी बना कर कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने कहा था कि त्योहार पर राज्य के जिलों में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए कोर्ट के पूर्व निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए सरकार एसओपी बना कर उसे लागू कराए। विशेष संवाददाता 7 रांची झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को राज्य के सभी जिलों में फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति करने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार और जेपीएससी से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। अदालत में इस मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले में सितंबर 2024 में ही सरकार और जेपीएससी की ओर से शपथ-पत्र दाखिल कर बताया गया था कि जल्द ही नियुक्ति कर ली जाएगी।

लेकिन नियुक्ति हुई या नहीं, इसकी जानकारी भी कोर्ट को नहीं दी गई। पूर्व में सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया था कि जेपीएससी के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति कर ली गई है। जल्द ही नियुक्ति का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया जाएगा। मालूम हो कि खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर मीडिया रिपोर्ट पर हाईकोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रही है।

कोर्ट ने सरकार को सभी जिलों में फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। सरकार की ओर से शपथपत्र दाखिल कर बताया गया था कि जेपीएससी का अध्यक्ष पद रिक्त रहने के कारण नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी है। नियुक्ति होते ही फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। लेकिन अभी तक फूड सेफ्टी अफसर बहाल नहीं हुए हैं। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मिलावटी खोआ-पनीर बड़े पैमाने पर बिक रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से सिर्फ त्योहार के समय ही कार्रवाई की जाती है।

## साइबर ठगों के निशाने पर झारखंड के किसान, कृषि मंत्री का सचिव बनकर मांग रहे पैसा

**चाईबासा, एजेंसी।** साइबर अपराधियों द्वारा झारखंड सरकार की योजनाओं के नाम पर गव्य किसानों को ठगने का प्रयास किया जा रहा है। इसको लेकर जिला गव्य विकास विभाग सतर्क हो गया है और सदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी राज नारायण सारस्वत ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को जिले के कुछ गव्य किसानों को मोबाइल नंबर 7063219301 और व्हाट्सएप नंबर 9038197598 से कॉल कर ठगों ने स्वयं को झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के सचिव मनोरंजन कुमार बताया।

कॉल में कहा गया कि किसानों की योजना स्वीकृत हो गई है, लेकिन लाभ प्राप्त करने के लिए पहले भुगतान करना होगा। भुगतान नहीं करने पर योजना से नाम काटने की धमकी भी दी गई।

उन्होंने बताया कि यह पूरी तरह से फर्जी और साइबर ठगी का मामला है। कुछ किसानों की शिकायत पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक व सदर डीएसपी को भी दी गई है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध काल या पैसों की मांग पर विश्वास न करें। इस तरह की जानकारी तुरंत संबंधित प्रखंड गव्य विकास पदाधिकारी या जिला गव्य विकास कार्यालय को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और किसान ठगी से बच सकें।

## झारखंड में अक्षय ऊर्जा की व्यापक संभावना, अग्रणी बनेगा राज्य : अबू बकर सिद्दीकी

**रांची, एजेंसी।** वन एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने कहा कि झारखंड में अक्षय उर्जा की व्यापक संभावना है। यहां के प्रचुर प्राकृतिक संसाधन राज्य को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में अग्रणी बनाएंगे। अक्षय ऊर्जा संभावना की बेहतर प्लानिंग करके झारखंड नेट-जीरो टारगेट और ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ सकता है। सिद्दीकी बुधवार को राजधानी के होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित 'अन लॉकिंग रिन्युएबल एनर्जी एंड स्टोरेज पोटेंशियल असेसमेंट इन झारखंड' रिपोर्ट के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

रिपोर्ट में राज्य के सभी 24 जिलों और प्रखंडों में करीब 66 गीगावाट अक्षय ऊर्जा की संभावित क्षमता की पहचान की गई है। पर्यावरण सचिव ने कहा कि झारखंड में एनर्जी ट्रांजिशन की रूपरेखा देने में यह रिपोर्ट काफी कारगर साबित होगी। शोध अध्ययन की सरहाना करते हुए उन्होंने कहा कि यह अपनी तरह का पहला हाई-रेजोल्यूशन आकलन है। बता दें कि इस असेसमेंट रिपोर्ट को झारखंड सरकार एवं सीड ने संयुक्त रूप से तैयार किया है।

**फ्यूचर इकोनॉमी में क्लीन एनर्जी की बड़ी भूमिका : रस्तोगी :** सेवानिवृत आईएफएस ए. के. रस्तोगी ने कहा कि फ्यूचर-रेडी इकोनॉमी बनाने में क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन की बड़ी भूमिका है। औद्योगिक विस्तार, कूलिंग व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी नई जरूरतें बढ़ते एनर्जी डिमांड की ओर इशारा करते हैं। यह रिपोर्ट राज्य में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, ग्रीन जॉब्स तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी, जिससे एनर्जी ट्रांजिशन को गति मिलेगी। कार्यक्रम में पीसीसीएफ (कैंपा) रवि रंजन, सीड के सीईओ रमापति कुमार, डॉ. मनीष राम, विभूति गर्ग, सचिन सिंह, मनोज कुमार करमाली सहित अन्य ने भी अपने विचार रखे।

**पश्चिमी व दक्षिणी राज्यों से सीख लेने की जरूरत : मुकेश :** योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि अक्षय ऊर्जा के मामले में अग्रणी बनने के लिए पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों से सीख लेने की जरूरत है। झारखंड के अप्रयुक्त प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग बुनियादी ढांचे और सततशील अर्थव्यवस्था के निर्माण में सहायक होगा। वैज्ञानिक आंकड़ों और रिसोर्स मैपिंग के आधार पर यह अध्ययन जिला एवं प्रखंड स्तर पर भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा के निर्माण को प्रस्तुत करता है। इसमें पंप-हाइड्रो एनर्जी स्टोरेज की गेम-चेंजर भूमिका पर जोर दिया गया है। झारखंड को देश के फ्रंटलाइन स्टेट्स में शामिल बताया गया है।

**सोलर एनर्जी में सबसे ज्यादा 41 गीगावाट क्षमता चिह्नित :** अक्षय ऊर्जा की संभावित उच्च क्षमता वाले जिलों में गिरिडीह, रांची, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम , हजारीबाग, पलामू और चतरा को चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट में सबसे ज्यादा सोलर एनर्जी में करीब 41 गीगावाट क्षमता का आकलन किया गया है। यह क्षमता यूटिलिटी-स्केल, रूफटॉप, फ्लोटिंग, एग्रीवोल्टैक्स और कंसन्ट्रेटेड सोलर पावर से विकसित की जा सकती है।

## झारखंड में झारखंड एकेडमिक काउंसिल, रांची द्वारा आयोजितमैट्रिक व इंटर कंपार्टमेंटल की परीक्षा 23 से

**चाईबासा, एजेंसी।** झारखंड एकेडमिक काउंसिल, रांची द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं की कंपार्टमेंटल परीक्षा के सुचारू संचालन को लेकर पश्चिमी सिंहभूम जिले के स्कूली एवं साक्षरता विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। परीक्षा केंद्रों की अधिसूचना से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सभी इंतजाम सुनिश्चित कर दिए गए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, कंपार्टमेंटल परीक्षा 23 अगस्त से शुरू होगी। पहली पाली सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी।

10वीं की परीक्षा 29 अगस्त तक चलेगी, जबकि 12वीं की परीक्षा 1 सितंबर तक आयोजित होगी। इसके बाद दोनों परीक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा 2 से 8 सितंबर तक ली जाएगी।

जिला मुख्यालय चाईबासा में 10वीं कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 1086 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें मांगीलाल रूंगटा उच्च विद्यालय में 517, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 217 और राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में 352 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

वहीं, इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए एकमात्र केंद्र एसपीजी बालिका उच्च विद्यालय बनाया गया है, जहां 297 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

कक्षा 8वीं की विशेष परीक्षा 22 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इसके लिए चाईबासा में छह केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें कुल 2825 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

मांगीलाल रूंगटा उच्च विद्यालय में 600, एसपीजी बालिका उच्च विद्यालय में 450, एसपीजी बालक उच्च विद्यालय में 435, संत जेवियर गर्ल्स हाई स्कूल में 470, संत जेवियर उच्च विद्यालय लुपुंगुटू में 470 और राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में 400 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दो पाली में ओएमआर शीट पर होगी।

डीईओ टोनी प्रेम राज टोप्पो ने बताया कि वार्षिक परीक्षा की तरह ही कंपार्टमेंटल परीक्षा के लिए भी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

प्रत्येक केंद्र पर मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी। प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की कड़ी चेकिंग होगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

## फिर सक्रिय हुए माओवादी, चतरा में ट्रैक्टर और पिकअप वाहन को फूंका

**चतरा, एजेंसी।** लंबे अंतराल के बाद भाकपा माओवादी उग्रवादियों ने जिले में फिर से उत्पात मचाते हुए अपनी उपस्थिति का आभास कराया है। बुधवार की देर रात लावालौंग थाना क्षेत्र के लेंबोडीह गांव में हथियारबंद माओवादी दस्ते ने उत्पात मचाया।

इस दौरान उग्रवादियों ने गांव में खड़े एक ट्रैक्टर और पिकअप वाहन को आग के हवाले कर दिया। यही नहीं, उन्होंने दो घरों में ताला भी जड़ दिया। सूत्रों के अनुसार, माओवादी संतन गंझू की खोज में गांव पहुंचे थे। जब वे उसे घर पर नहीं पाए, तो गुस्से में संतन के घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर और पिकअप को आग लगा दी। इसके अलावा संतन तथा एक अन्य ग्रामीण के घर में ताला जड़कर दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उग्रवादियों की संख्या 30 से 40 के बीच थी और सभी हथियारों से लैस थे। ग्रामीणों ने भयभीत होकर खुद को घरों में कैद कर लिया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस बल मौके के लिए रवाना हो गया। यहां उल्लेखनीय है कि करीब ढाई साल बाद भाकपा माओवादी उग्रवादियों ने जिले में इस तरह की बड़ी घटना को अंजाम दिया है।

# सोनरिया सब स्टेशन में ग्रामीणों ने की तोड़फोड़, कर्मियों को पीटा, जड़ा ताला

**धनबाद, एजेंसी।** बिजली आपूर्ति बाधित होने से नाराज लोगों ने मंगलवार को सोनरिया पावर हाउस में जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने सब स्टेशन में सुबह में तालाबंदी कर दी। वहीं, शाम में पुनः पहुंचकर बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर तोड़फोड़ की और बिजलीकर्मियों को पीट दिया। शाम में तीन दर्जन गांवों में हो रही विद्युत आपूर्ति को बाधित करवा दिया। इसकी जानकारी जब उन गांवों के लोगों को मिली, तो वे भी पावर हाउस पहुंच गये। इसके बाद सोनरिया व बाकी गांव के लोग आमने-सामने आ गये। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। बताया जाता है कि सोनरिया पावर हाउस से चार पंचायतों के 50 गांवों में बिजली आपूर्ति की जाती है। मंगलवार सुबह में बिजली बाधित होने से नाराज ग्रामीण पावर हाउस पहुंचे और लाइन इंचार्ज दीपक कुमार से बिजली नहीं रहने का कारण पूछा। इंचार्ज ने बताया कि एचटी लाइन में खराबी आ गयी है। अशोक ठाकुर व अक्षय ठाकुर के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण पावर हाउस पहुंचे और मुख्य गेट में तालाबंदी कर दी। ग्रामीणों का आरोप था कि विभाग की लापरवाही से उन्हें बिजली नहीं मिल रही है। सोनरिया गांव में बिजली नहीं रहेगी, तो और किसी गांव में बिजली आपूर्ति नहीं होने देंगे। लोगों ने इंचार्ज दीपक कुमार को डरा-धमकाकर अन्य गांवों की बिजली आपूर्ति बंद करवा दी। ग्रामीण मांग करने लगे कि पावर हाउस से सोनरिया गांव के लिए अलग फीडर का निर्माण कर बिजली आपूर्ति बहाल की जाये। शाम में ताला खोलकर ग्रामीण पावर हाउस के अंदर चले गये और खिड़की के शीशों को तोड़ दिया। हंगामा के दौरान फॉल्ट बनाने पावर हाउस पहुंचे बिजली मिस्त्री इमामुद्दीन अंसारी उर्फ छोटू व गोरगा निवासी सुदन साव को ग्रामीणों ने पीट दिया। बिजली मिस्त्री और इंचार्ज झाड़ियों में छुप गये।

इस दौरान पुलिस की ग्रामीणों से नोक-झोंक हो गयी। ग्रामीणों ने लगातार 22 घंटे से बिजली नहीं रहने पर बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की और नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि रात 12 बजे लाइन कटी है। पूरा दिन बीतने के बाद भी विभाग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली मिस्त्री फॉल्ट बनाना छोड़कर शराब सेवन में लगे रहते हैं। इस कारण समय पर खराबी दूर नहीं हो पाती है। विभाग के अधिकारी ग्रामीणों का फोन नहीं उठाते हैं। बिजली व्यवस्था चौपट हो गयी है। देर रात तक ग्रामीण पावर हाउस के बाहर बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर जमे हुए थे। वहीं पुलिस पावर हाउस की सुरक्षा में तैनात थी।

बिजली आपूर्ति रोके जाने से नाराज तिलैया, गोरगा, मोरपहाड़, बिराजपुर, छाताटांड़, दामुमुड़ा, चुटियारो, रांगाटांड़, अंकुरा, हरिहरपुर, मरिचो, घसकोडीह, राधानगर, सिमलटांड़ समेत तीन दर्जन गांवों के लोग सब स्टेशन पहुंचे गये। इनलोगों ने जब सुना कि सोनरिया गांव के ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति बंद करवा दी है, तो वे भड़क गये। इस दौरान सोनरिया के ग्रामीणों से अन्य गांवों के लोगों की भिड़ंत हो गयी। हो-हंगामा भी होने लगा। लोग बिजली आपूर्ति बाधित करनेवाले नेतृत्वकर्ता को खोजने लगे। मौका पाकर दोनों तरफ के नेतृत्वकर्ता भाग खड़े हुए। इधर, सूचना पर बरवाअड्डा पुलिस यहां पहुंची और पावर हाउस में घुसे लोगों को डांट-फटकार कर हटाया। बिजली मिस्त्री पुलिस की सुरक्षा में आपूर्ति बहाल करने में जुट गये। देर रात तक गोरगा, सोनरिया गांव में बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी थी। बिजली मिस्त्री फॉल्ट नहीं ढूंढ़ सके थे। घंटों इंतजार के बाद भी बिजली बहाल नहीं होने से नाराज ग्रामीणों की पुलिस से नोकझोंक हो गयी। लोग एसडीओ व कनीय अभियंता को बुलाने की मांग करने लगे।

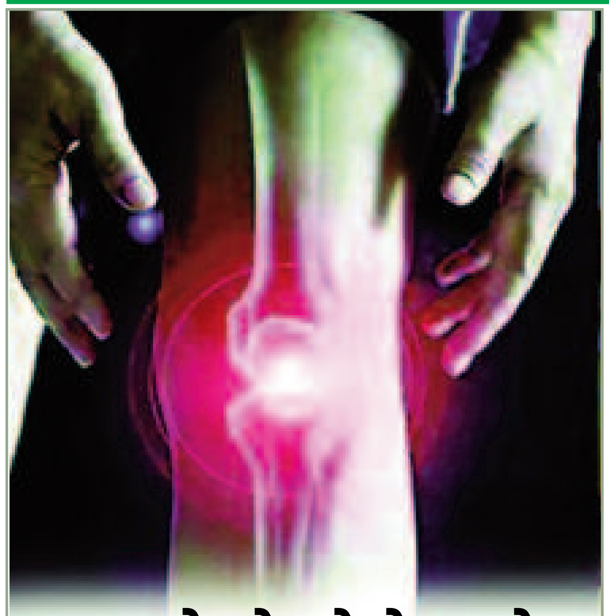

# घुटनों में होने वाले दर्द के लिए ट्राय करें यह देसी नुस्खा

**बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।**

## क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

## सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

## नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

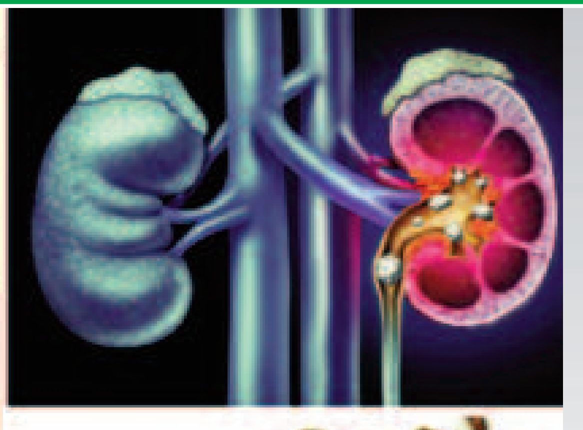

**किडनी की पथरी एक आम समस्या है, जो किसी को भी हो सकती है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को किडनी की पथरी का अधिक खतरा होता है और लगभग आधे लोगों को 10 से 15 साल के भीतर दोबारा पथरी हो सकती है। यह एक दर्दनाक स्थिति है, जो आपका सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित कर सकती है।**

# किडनी की पथरी का खतरा महिलाओं की तुलना में पुरुषों को अधिक

किडनी में पथरी क्यों बनती है किडनी की पथरी तब बनती है जब कैल्शियम, ऑक्सालेट और यूरिक एसिड जैसे अपशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और क्रिस्टल यानी छोटी-छोटी पथरी का रूप ले लेते हैं। समय के साथ यह बड़े होते रहते हैं। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कई बार छोटी पथरी पेशाब के जरिए बाहर निकल जाती हैं लेकिन कई बार वो पेशाब के रास्ते में अटक सकती हैं, जिससे मरीज को पेशाब के दौरान जलन, गंभीर दर्द, पेट और पीठ के बीच शरीर के एक तरफ गंभीर दर्द, पेशाब में खून, मतली और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

## किडनी की पथरी को कैसे निकाले

किडनी की पथरी निकलने में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं और यह पथरी के आकार और संख्या पर निर्भर करता है। इसके लिए कई दवाएं और उपचार मौजूद हैं। कई बार पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपायों के जरिए किडनी की पथरी को निकालने या इससे बचने में मदद मिल सकती है।

## कैल्शियम वाली चीजें ज्यादा खाएं

आपको कैल्शियम वाली चीजों का सेवन बढ़ा देना चाहिए। दही, सोया उत्पाद, बीन्स, दाल और बीज कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। कैल्शियम ऑक्सालेट

को आंतों में बांधने का काम करता है और उसे ज्यादा अवशोषित नहीं होने देता जिससे पेशाब में इसकी मात्रा कम हो जाती है।

## खूब पानी पिएं

जो लोग प्रतिदिन 2 से 2.5 लीटर पेशाब करते हैं, उन्हें किडनी की पथरी विकसित होने की संभावना कम थी। इतना पेशाब करने के लिए आपको प्रतिदिन लगभग लगभग 2 लीटर पानी पीना चाहिए।

## सोडियम का रखें ध्यान

सोडियम से भरपूर चीजें किडनी की पथरी बनने की आशंका होती है। इसका कारण यह है कि सोडियम आपके पेशाब में कैल्शियम की मात्रा को बढ़ाता है। आपको रोजाना 2,300 मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करना चाहिए। मांस, अंडे और सीफूड से मिलने वाले प्रोटीन को एनिमल प्रोटीन कहा जाता है। इन्हें खाने से पथरी बनने का खतरा बढ़ सकता है।

## पथरी का दुश्मन है नींबू

पथरी से बचने के लिए आपको नींबू का रस पीना चाहिए। इसमें मौजूद साइट्रेट या साइट्रिक एसिड से कैल्शियम को बांधने और पथरी बनने से रोकने में मदद मिलती है। रोजाना आधा कप नींबू का रस पानी में घोकर पीना चाहिए। दो नींबू का रस पीने से यूरिन साइट्रेट बढ़ सकता है और किडनी की पथरी का खतरा कम हो सकता है।

# मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए जरूर अपनाएं ये घरेलू उपाय

पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते है।

## छालो से बचाव के उपाय

खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।

- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातार विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

# दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

## हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

## रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

## रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

## ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

## विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

# हलवा देता है पौष्टिक फायदे

- सूजी का हलवा बना रहे हैं तो सूजी के दाने थोड़े मोटे ही लें, एकदम बारीक नहीं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है।
- अगर आटे का हलवा बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि आटा जरा मोटा पिसा हुआ हो, ये चिपकेगा नहीं और स्वाए व पाचन दोनों के लिए अच्छा रहेगा।
- अगर नुकसान से बचना चाहते हैं, तो डालडा या बाजार के घी के बजाए देसी घी या गाय के शुद्ध घी का प्रयोग करें। देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है।
- हलवे को सूर्योदय के पहले उठकर मुंह धोकर पकाते हुए तुरंत गर्मा-गरम खाना चाहिए।
- हलवा ठंडा करके न खाएं, इसे गर्मागर्म ही परोसें ताकि सिरदर्द या न्यूरो वेस्कुलर डिसआर्डर जैसी समस्याओं में फायदा मिल सके।
- हलवा खाने के तुरंत या कुछ देर बाद तक भी ठंडा पानी न पिएं, वरना आप इसके फायदों को नहीं पा सकेंगे। आधे घंटे बाद ही पानी पिएं।
- हलवा पचने में बहुत हल्का होता है, इसलिए इसे सर्जरी के बाद, प्रसव के बाद, कमजोरी में, बीमारी से उबरने में और कम वजन वाले लोगों को भी दिया जा सकता है।
- हलवे में केसर, इलायची और थोड़े से सूखे मेवों का प्रयोग किया जा सकता है।
- देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।
- शकर की जगह गुड़ का प्रयोग करेंगे, तो स्वाद और सेहत दोनों के फायदे पा सकेंगे। अगर आपको शकर ही डालना है, तो ब्राउन शुगर भी यूज कर सकते हैं।

**नोट** : मधुमेह रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

# कमर दर्द से छूटकारा पाने के लिए जरूर अपनाए ये घरेलू उपाय

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है।

कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है।

कमर दर्दकमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियॉ के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी। कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा।

ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

# 45 करोड़ लोग सालाना गंवाते हैं 20,000 करोड़ ऑनलाइन मनी गेमिंग पर लगाम की तैयारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लोकसभा ने बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एवं रेगुलेटरी बिल 2025 पास कर दिया। इस बिल में मॉनिटरी कंपोनेंट वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध का प्रावधान है। आने वाले समय में ऑनलाइनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स से पोकर, रमी और कार्ड गेम्स जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी पर शिकंजा कसा जाएगा। इस बिल में ऑनलाइन गेमिंग रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाए जाने के साथ ही ई स्पोर्ट की मान्यता और प्रोमोशन का प्रावधान भी शामिल है। इसमें ऑनलाइन गेम्स खेलने वालों पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। इसका मकसद मनी गेम्स के बुरे नतीजों से निपटना है।

इंडस्ट्री का कहना है कि यह बिल जॉब-क्रिएटिंग इंडस्ट्री को खत्म कर देगा। दावा किया है कि इससे 2 लाख से ज्यादा नौकरियां जाने और 400 से अधिक कंपनियों के बंद होने का संकट है। सूत्रों का कहना है कि सरकार चाहती थी कि इसे लेकर एक सेल्फ रेगुलेशन या मैकेनिज्म इंडस्ट्री की ओर से ही आए। सरकार ने सेल्फ रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन (एसआरओ) मैकेनिज्म को लेकर इंडस्ट्री के साथ कंसल्टेशन और बातचीत भी की थी। लेकिन उद्योग की ओर से इस तरह का कोई फ्रेमवर्क सामने नहीं आया। जिसके बाद सरकार ने इसे रेगुलेट करने के लिए कदम उठाया।

### क्या हैं चिंताएं

सरकार का अनुमान है कि हर साल करीब 45 करोड़ लोग ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग में लगभग 20,000 करोड़ रुपये गंवा देते हैं। सरकार ने माना है कि ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग समाज के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। ऑनलाइन मनी गेम्स के चलते फ्रॉड और धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग के सबूत भी मिले हैं। देश के लाखों परिवार इससे प्रभावित हुए हैं।

### क्या है मकसद

सरकार का कहना है कि इस कानून का मकसद हानिकारक ऑनलाइन मनी गेमिंग सर्विसेज, उनसे जुड़े विज्ञापनों और वित्तीय लेन को प्रतिबंधित करना है। सरकार का मानना है कि गेमिंग और बेटिंग से जुड़े एडिक्शन से लोगों को ना सिर्फ वित्तीय नुकसान बल्कि कुछ केसों में आत्महत्याएं तक देखने को मिलती रही है।

## 12 नहीं, 6 घंटे काम और भी ज्यादा कामयाब, एक को-फाउंडर का दावा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मैं रोज 12-14 घंटे काम नहीं करता हूं। ज्यादातर दिन, मैं सिर्फ 5-6 घंटे ही काम करता हूं। बाकी का समय मैं किताबें पढ़ता हूं, सोच-विचार करता हूं, अपनी बेटी के साथ अच्छा वक्त बिताता हूं, या फिर बस कुछ नहीं करता हूं। क्या इस वजह से मैं कम महत्वाकांक्षी हूं मेरी राय में, बिल्कुल नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिछले कुछ सालों से, मैंने एक साथ कई चीजों को ही सुस्त करके ही सफलता पाई है। यह कहना है नोएडा की एक इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग एजेंसी डिजिविसल के को-फाउंडर सीए दीपक भाटी की। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने पिछले सिर्फ दो सालों में अपनी आमदनी में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। यह सब कभी 24/7 लगातार हसल करने से नहीं मिला। यह सही चीजों पर ध्यान केंद्रित करने से मिला। अपने लिंक्डइन पोस्ट में सीए दीपक भाटी आगे लिखते हैं, ...और मैंने यह सीखा है, आपकी पहचान काम के घंटों से नहीं, बल्कि आपके द्वारा किए गए काम के नतीजों से होती है। इसलिए अगर आपके लिए 6 घंटे का काम काफी है। बढ़िया। अगर आपके लिए 16 घंटे काम करना जरूरी है, बढ़िया। असली सवाल ये है कि क्या आप खुश हैं क्या आप प्रोडक्टिव हैं क्या आप आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि काम के घंटे आपकी महत्वाकांक्षा को साबित नहीं करते, बल्कि आपके नतीजे करते हैं।

## 8 दिन से निवेशकों पर बरस रहा पैसा, 70 प्रतिशत का छप्परफाड़ रिटर्न

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यात्रा ऑनलाइन के शेयर जिस भी निवेशक के पास हैं, उनपर 8 दिनों से पैसों की बारिश हो रही है। कंपनी का शेयर गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 6 प्रतिशत चढ़कर 163.38 रुपये के अपने नए 52-हफ्ते के हाई पर पहुंच गया। यह छोटी कंपनी पिछले 8 ट्रेडिंग दिनों में 95.87 रुपये के स्तर से 70 प्रतिशत उछल चुकी है और अब यह 2 फरवरी, 2024 को छुए अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 193.95 रुपये के करीब पहुंच रही है। इस शेयर में आए तेज उछाल की सबसे बड़ी वजह जून 2025 में खत्म हुए तिमाही के शानदार नतीजे हैं। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 296 प्रतिशत बढ़कर 16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी की राजस्व वृद्धि 108 प्रतिशत रही, जो 209.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की कमाई भी 247 प्रतिशत बढ़कर 24.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गई और इसका मार्जिन भी पिछले साल के 9 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 21 प्रतिशत हो गया। यात्रा ऑनलाइन ने होटल्स एंड पैकेजेज बिजनेस और मीटिंग्स, इनटिव्स, कॉन्फ्रेंसेज, एंड एक्जीबिशन सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। कॉर्पोरेट बिजनेस में मजबूती और एच एंड पी बिजनेस में ऊंचे मार्जिन ने कंपनी के नतीजों को और बढ़ावा दिया है। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक निवेशकों को यह जानकर भी खुशी हुई कि कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट बिजनेस में नए ग्राहक जोड़े हैं, जिनका सालाना बिलिंग पोटेंशियल 2 अरब रुपये है। इसके अलावा, कंपनी ने कॉर्पोरेट ग्राहकों को बनाए रखने में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी की वित्तीय सेहत में भी सुधार हुआ है। 30 जून, 2025 तक कंपनी के पास नकद और कैश इक्विवैलेंट और टर्म डिपॉजिट 2,208 मिलियन रुपये थे। कंपनी का सकल कर्ज 31 मार्च, 2025 के 546 मिलियन रुपये से घटकर 30 जून, 2025 को 29 मिलियन रुपये रह गया है भारत में कॉर्पोरेट ट्रैवल मार्केट के एफवाय27 तक 20 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, इस सेगमेंट में ऑनलाइन पैठ एफवाय24 में केवल 20 प्रतिशत ही थी, जबकि समग्र ट्रैवल इंडस्ट्री में यह 45 प्रतिशत है।

# अडानी ने लिया विदेशी कंपनियों से 2400 हजार करोड़ का कर्ज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अडानी ग्रुप ने हाल ही में करीब 275 मिलियन डॉलर (करीब 2400 हजार करोड़ रुपये) का कर्ज लिया है। यह कर्ज विदेशी मुद्रा में लिया गया है। इससे पता चलता है कि अडानी ग्रुप अभी भी कर्ज लेने में सक्रिय है। इस बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बात बताई है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने 150 मिलियन डॉलर का कर्ज लिया है। यह कर्ज कई बैंकों से मिलकर लिया गया है। इन बैंकों में बार्कलेज पीएलसी, डीबीएस बैंक लिमिटेड, फर्स्ट अबू धाबी बैंक और मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, जानकारी गोपनीय होने के कारण नाम न बताने की शर्त पर यह खबर दी गई है। इसके अलावा, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने भी 125 मिलियन डॉलर का कर्ज लिया है। यह कर्ज मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप के साथ एक द्विपक्षीय समझौते के तहत लिया गया है।

### निवेशकों का बढ़ रहा भरोसा

निवेशकों का अडानी ग्रुप पर भरोसा बढ़ रहा है। इसलिए वे अडानी ग्रुप को कर्ज देने के लिए तैयार हैं। अडानी ग्रुप अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए अलग-अलग तरीकों से फंड जुटा रहा है। पिछले छह महीनों में अडानी ग्रुप ने 10 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज लिया है। यह उनके कुल कर्ज का लगभग एक तिहाई है। S&P ग्लोबल रेटिंग्स ने हाल ही में तीन अडानी यूनिट्स के आउटलुक को बढ़ाया है। उन्होंने इसकी वजह अडानी ग्रुप की क्रेडिट तक पहुंच को बताया है।

### कितना लगेगा ब्याज

एयरपोर्ट के लिए लिए गए कर्ज पर सिक्योर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट से लगभग 300 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा ब्याज लगेगा। पोर्ट्स के लिए लिए गए कर्ज पर एसओएफआर से 215 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा ब्याज लगेगा। एसओएफआर एक बेंचमार्क ब्याज दर है। दोनों कर्ज चार साल के लिए हैं। इनसे मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल डॉलर बॉन्ड को वापस खरीदने और पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाएगा।

जून में मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने करीब 750 मिलियन डॉलर जुटाए थे। यह एयरपोर्ट अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा मैनेज किया जाता है। यह पैसा अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट इंक. के नेतृत्व में वैश्विक निवेशकों से मिला था। इस पैसे का इस्तेमाल भारत के दूसरे सबसे बड़े एयरपोर्ट के मौजूदा कर्ज को चुकाने के लिए किया गया था। इस समझौते में पूंजीगत व्यय और क्षमता विस्तार की जरूरतों के लिए 250 मिलियन डॉलर तक की अतिरिक्त फंडिंग की भी अनुमति दी गई थी। इसका मतलब है कि एयरपोर्ट को और बेहतर बनाने के लिए भी पैसा मिल सकता है।

# सस्ते में शेयर बेच रहे कुमार मंगलम बिड़ला

### एक साल पहले खरीदी थी कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के टॉप अरबपतियों में शामिल कुमार मंगलम बिड़ला की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने पिछले साल इंडिया सीमेंट्स को खरीदा था। अल्ट्राटेक सीमेंट अब इंडिया सीमेंट्स में 740 करोड़ रुपये के शेयर बेचने की तैयारी में है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों का पालन हो सके। नियमों के मुताबिक किसी भी लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25 प्रतिशत शेयर आम लोगों के पास होने चाहिए। अभी देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक के पास इंडिया सीमेंट्स के 81.5 प्रतिशत शेयर हैं। इसलिए अल्ट्राटेक को 6.5 प्रतिशत शेयर बेचने होंगे। शेयर बेचने के बाद अल्ट्राटेक के पास इंडिया सीमेंट के 75 प्रतिशत शेयर रह जाएंगे। ये शेयर गुरुवार और शुक्रवार को बेचे जाएंगे।

इंडिया सीमेंट्स के शेयर का दाम 368 रुपये प्रति शेयर रखा है जो इसके बुधवार के बंद भाव से थोड़ा कम है। बीएसई पर बुधवार को इंडिया सीमेंट्स का शेयर 370 रुपये पर बंद हुआ था। जून 2024 में बिड़ला ने पहली बार इंडिया सीमेंट्स में दिलचस्पी दिखाई थी। उन्होंने राधाकिशन दमानी से 24 प्रतिशत शेयर खरीदे थे। फिर एक महीने बाद एन. श्रीनिवासन और उनके रिश्तेदारों से 32.8 प्रतिशत शेयर खरीदे। इसके बाद उन्होंने इंडिया सीमेंट्स में 26 प्रतिशत शेयर खरीदने के लिए ओपन ऑफर दिया।

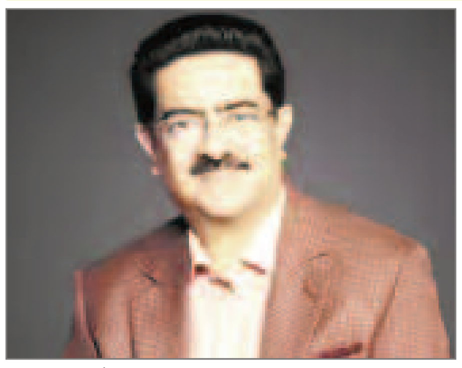

**52 हफ्ते के टॉप पर शेयर** सेबी के नियमों के अनुसार इंडिया सीमेंट्स के पास 3 फरवरी, 2026 तक का समय है। इस तारीख तक कंपनी को ये सुनिश्चित करना है कि उसके पर्याप्त शेयर आम लोगों के पास हों। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इंडिया सीमेंट्स का शेयर करीब 4 फीसदी तेजी के साथ 384.75 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते के टॉप है। इसी तरह अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 0.12 प्रतिशत गिरावट के साथ 12855.75 रुपये पर है।

## अनिल अंबानी के शेयरों पर टूट पड़े लोग, रिलायंस इंफ्रा और पावर में लौटी तूफानी तेजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों पर लोग टूट पड़े हैं। दोनों ही कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी है। रिलायंस इंफ्रा और रिलायंस पावर के शेयर लगातार तीसरे दिन अपर सर्किट पर हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर गुरुवार को बीएसई में 5 पर्सेंट चढ़कर 303.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। बीएसईपर सुबह 9:30 बजे रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के 1,32,000 से ज्यादा शेयरों के बाय ऑर्डर पेंडिंग दिखा रहा है। वहीं, रिलायंस पावर के शेयर भी 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 50.08 रुपये पर पहुंच गए हैं। बीएसई पर रिलायंस पावर के 3,51,406 शेयरों के बाय ऑर्डर पेंडिंग हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों में यह तेजी उनसे जुड़ी गुड न्यूज की वजह से आई है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने घोषणा की है कि उसे नवरत्न कंपनी एनएचपीसी से 390 एम डब्ल्यू सोलर पावर और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह प्रोजेक्ट, अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाले रिलायंस ग्रुप के पोर्टफोलियो में 700 एम डब्ल्यू की सोलर डीसी कैपेसिटी और 780 एम डब्ल्यू एच की स्टोरेज कैपेसिटी जोड़ेगा। लीडरशिप पोजिशन को मजबूत करेगा। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने भूटान में एक नए ज्वाइंट वेंचर (संयुक्त उपक्रम) में अपनी साझेदारी की घोषणा की है। इससे संयुक्त उपक्रम से कंपनी के क्लीन एनर्जी पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी।

# प्लास्टिक के कचरे से मोटी कमाई कर रहे दोस्त

### खड़ी कर दी करोड़ों रुपये की कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोच्चि का एक स्टार्टअप प्लास्टिक कचरे को उपयोगी चीजों में बदल रहा है। इस स्टार्टअप का नाम कार्बन एंड व्हेल है। इसने सिर्फ दो साल में 10,000 किलो से ज्यादा प्लास्टिक को रिसाइकल किया है। अब यह 8 करोड़ रुपये की कंपनी बन गई है। यह कंपनी सिंगल-यूज प्लास्टिक को रिसाइकल करती है। फिर उससे बेंच, स्टूल और इंटरलॉक टाइल्स जैसे मजबूत प्रोडक्ट बनाती है। कंपनी का कहना है कि उनके प्रोडक्ट 15 से 20 साल तक चलते हैं। साथ ही, इन्हें बाद में फिर से रिसाइकल किया जा सकता है।

**2022 में शुरू हुई थी कंपनी:** कार्बन एंड व्हेल की शुरुआत साल 2022 में हुई थी। इसे दो दोस्तों एल्विन जॉर्ज और सिद्धार्थ एके ने शुरू किया था। एल्विन इंजीनियर हैं और उन्हें एजुकेशन और डिजिटल सेक्टर का अनुभव है। सिद्धार्थ ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। बाद में सूरज वर्मा भी इस टीम में शामिल हो गए। वे सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं। सूरज ने कंपनी को तकनीकी जानकारी देने में मदद की।

**क्या है कमाई का मॉडल:** कार्बन एंड व्हेल एक खास तरीके से काम करती है। इसे सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल कहते हैं। इसमें किसी भी चीज को बेकार नहीं जाने दिया जाता। कंपनी का कहना है कि उनके फर्नीचर को पिघलाकर नए प्रोडक्ट बनाए जा सकते हैं। यह कंपनी बेंच पर विज्ञापन दिखाकर भी पैसे कमाती है। लुलु ग्रुप, कोच्चि मेट्रो, केरल टूरिज्म और कोचीन स्मार्ट मिशन लिमिटेड इस कंपनी के पार्टनर हैं। केरल स्टार्टअप मिशन और केएसआईडीसी जैसी सरकारी संस्थाओं ने भी इस कंपनी को सपोर्ट किया है।

### इवेंट में मिले थे दोनों

एल्विन और सिद्धार्थ एक इवेंट में मिले थे। दोनों को प्लास्टिक प्रदूषण की चिंता थी। इसलिए, उन्होंने मिलकर इसका समाधान निकालने की सोची। इस तरह कार्बन एंड व्हेल की शुरुआत हुई। यह कंपनी स्कूल, कॉलेज और बीच की सफाई से प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करती है। फिर कचरे को छांटकर प्रोसेस किया जाता है। इसके बाद उससे फर्नीचर बनाया जाता है। यह फर्नीचर कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड और बेंगलुरु जैसे शहरों के पार्क, मेट्रो स्टेशन और शॉपिंग सेंटर में देखा जा सकता है।

**कंपनी का नया अभियान:** अब इस स्टार्टअप ने एक नया अभियान शुरू किया है। इसका लक्ष्य है 10 लाख किलो प्लास्टिक कचरे को रिसाइकल करना। कार्बन एंड व्हेल ने यह साबित कर दिया है कि पर्यावरण की समस्याओं को बिजनेस के अवसर में बदला जा सकता है।

### डेलॉय-फिक्की की रिपोर्ट

# 2030 तक दोगुना होगा भारत का रिटेल बाजार, ई-कॉमर्स और घरेलू मांग बनेंगे विकास के इंजन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश का खुदरा क्षेत्र 2030 तक दोगुना होकर 1.93 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा।पांच साल की इस अवधि में यह क्षेत्र सालाना 10 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगा। 2024 में भारतीय खुदरा बाजार 1.06 लाख करोड़ डॉलर का था। डेलॉय एवं फिक्की की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा क्षेत्र के इस रफ्तार से बढ़ने की सबसे बड़ी वजह देश का मजबूत घरेलू बाजार है। यह वैश्विक स्तर पर व्यापार में हो रहे भारी उतार-चढ़ाव से भारत को बचाने में मदद करता है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत के खुदरा और उपभोक्ता क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ रहा है। घरेलू खरीदारी बढ़ रही है। डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। लोग महंगे और बेहतर उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं।शहरों के साथ छोटे और नए बाजारों में ई-कॉमर्स का विस्तार हो रहा है। ऑनलाइन खुदरा अब 73 फीसदी खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं।

### युवाओं में 250 अरब डॉलर खर्च की क्षमता

रिपोर्ट में कहा गया है, युवा पीढ़ी की 250 अरब डॉलर की खर्च करने की क्षमता के साथ बढ़ती क्रय शक्ति से घरेलू मांग को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, यह ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने का आत्मविश्वास भी दे रहा है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुएदेश का डीटूसी (डायरेक्ट-टु-कंज्यूमर) बाजार भी 2030 तक 100 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा।2024 में यह 80 अरब डॉलर का था। डेलॉय दक्षिण एशिया के पार्टनर एवं कंज्यूमर इंडस्ट्री लीडर आनंद रमणनाथन ने कहा, भारत में युवा और डिजिटल तकनीक जानकार आबादी, मध्य वर्ग की बढ़ती ताकत और छोटे शहरों का आर्थिक प्रभाव खुदरा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। ई-कॉमर्स लेनदेन का 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इन्हीं शहरों से आ रहा है।

# भारत-चीन व्यापार शुरू होने पर दोनों को हर साल 5-6 अरब डॉलर लाभ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और चीन के बीच लंबे समय से ठप पड़ा सीमा व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक का अनुमान है कि व्यापार बहाली से शुरुआती चरण में दोनों देशों को हर साल 5-6 अरब डॉलर का लाभ होगा। नई सहमति के तहत न सिर्फ हिमालयी दर्रों से पारंपरिक व्यापार को गति दी जाएगी, बल्कि दुर्लभ खनिजों और उर्वरक आपूर्ति की आपसी जरूरतें भी पूरी की जाएंगी।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम टैरिफ दबावों, विशेषकर अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के बीच भारत को बड़ा राहत कवच देगा। भारत-चीन सीमा व्यापार हजारों साल पुराना है, जो सिल्क रूट एवं हिमालयी दर्रों के जरिये सदियों तक चलता रहा। नाथू ला दर्रा (सिक्किम) 1962 के युद्ध के बाद बंद हो गया था, लेकिन 2006 में इसे फिर खोला गया। यहां से कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता वस्तुओं का व्यापार होता है। लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड में है। भारत-चीन सीमा व्यापार में इसका भी योगदान रहा है। हिमाचल प्रदेश स्थित शिपकी ला दर्रा ऐतिहासिक रूप से ऊन, नमक, मसाले और स्थानीय उत्पादों के आदान प्रदान के लिए जाना जाता रहा है। समझौते के तहत शिपकी ला दर्रा, सनाथुला दर्रा और अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला मार्ग को प्राथमिकता से खोला जाएगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, चीन ने दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति का आश्वासन दिया है, जिनकी सर्वाधिक जरूरत भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों को है। भारत बदले में चीन को फॉस्फेट और पोटाश आधारित उर्वरकों की आपूर्ति करेगा। भारतीय उद्योग परिसंघ के मुख्य अर्थशास्त्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा, यह समझौता भारत की विनिर्माण क्षमता को मजबूती देगा और चीन की खाद्य सुरक्षा रणनीति में योगदान करेगा। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. बिस्वजीत धर ने कहा, ट्रंप टैरिफ ने भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ा दी है। अगर भारत चीन के साथ दुर्लभ खनिजों और उर्वरकों के अलावा मध्यवर्ती औद्योगिक वस्तुओं का आयात बढ़ाता है, तो उत्पादन लागत घटेगी और अमेरिकी टैरिफ से होने वाला 3-5 अरब डॉलर का सालाना नुकसान काफी हद तक संतुलित हो सकेगा।

### फाइनल में स्वियातेक-रूड की जोड़ी को हराया

# इरानी-वावसोरी फिर बने अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल चैंपियन

**न्यूयॉर्क एजेंसी।** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार की रात को खेले गए एक कड़े फाइनल में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना मिश्रित युगल खिताब बरकरार रखा।इटली की इस जोड़ी ने फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को 6-3, 5-7 (10-6) से हराया। इस तरह से उन्होंने दो दिनों में चार मैच जीतकर 10 लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की जो पिछले साल उन्हें मिली पुरस्कार राशि से कहीं अधिक है। इरानी और वावसोरी उन कई खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पहले इस नए प्रारूप की आलोचना की थी लेकिन चैंपियन बनने के बाद उनके चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया।वावसोरी ने कहा, मुझे लगता है कि इतने सारे दर्शकों के सामने इस कोर्ट में खेलना अद्भुत था और मैं इस माहौल के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इससे पहले स्वियातेक और रूड की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेमीफाइनल में टाईब्रेकर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और जैक ड्रैपर को 3-5, 5-3, 10-8 से हराया।इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में इरानी और वावसोरी ने डेनियल कोलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को 4-2, 4-2 से पराजित किया। अमेरिकी ओपन में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे।

### सिंकफील्ड कप में गुकेश और प्रज्ञानंद ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली, देखें किसका क्या हाल

**सेंट लुई,** विश्व चैंपियन डी गुकेश को यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी सैमुअल सेवियन ने ड्रॉ पर रोका, जबकि उनके साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद ने भी उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से अंक बांटे। प्रज्ञानंद ने लगातार दूसरी बाजी ड्रॉ खेली लेकिन इसके बावजूद वह अमेरिका के फैबियानो कारुआना और अर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। दिन की एकमात्र निर्णायक बाजी में कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को टूर्नामेंट में पहली हार का स्वाद चखाया। अरोनियन को फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव ने ड्रॉ पर रोका, जबकि एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ के साथ अंक बांटे।

# रणजी से पहले मुंबई की टीम को झटका, रहाणे ने कप्तानी छोड़ी

**मुंबई, एजेंसी।** लंबे घरेलू सत्र से पहले मुंबई क्रिकेट और उसके फैंस के लिए झटका देने लायक खबर सामने आई है। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया पर दिए संदेश में रहाणे ने स्पष्ट किया कि यह वह समय है जब टीम में नए नेतृत्व को विकसित करने का मौका मिलना चाहिए।

रहाणे ने लिखा, मुंबई टीम का नेतृत्व करना और टूर्नामेंट जीतना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सम्मान था। अब जब एक नया घरेलू सत्र शुरू होने वाला है और मुझे लगता है कि नई जिम्मेदारियों के लिए नई कप्तानी को तैयार करना जरूरी है। इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है। मैं बल्लेबाज के रूप में पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और मुंबई की ओर से खेलना जारी रखूंगा, ताजा ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य है।

### कप्तानी में उनकी उपलब्धियां

रहाणे की कप्तानी में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में स्थिरता और सफलता हासिल की। उनके नेतृत्व में मुंबई ने 2023-24 में रणजी ट्रॉफी जीतकर सात साल का सूखा खत्म किया था। इसके अलावा, उन्होंने 2024-25 में ईरानी कप और 2022-23 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी टीम को जीत दिलाई। इन जीतों ने उनकी कप्तानी को एक नई ऊंचाई दी।

### अब कौन होगा कप्तान

मुंबई टीम के पास अब सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जइसवाल और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों का समूह मौजूद है, जिनमें नेतृत्व क्षमता भी है। यह कदम आने वाले समय के लिए टीम को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। श्रेयस इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं।

### 14,000 से ज्यादा रन बनाए

कप्तानी छोड़ने के बावजूद, 37 वर्षीय इस खिलाड़ी ने, जिन्होंने 201 प्रथम श्रेणी मैचों में 14,000 से ज्यादा रन बनाए हैं, स्पष्ट किया कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं। वह सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। रहाणे ने बताया कि वह टीम के लिए एक बल्लेबाज की भूमिका में, पूरे जोश और प्रतिबद्धता के साथ अपना कार्य करेंगे। उनका मूल लक्ष्य टीम को सफलता दिलाना और नए कप्तान के निर्माण में सहयोग देना है।

### केकेआर के कप्तान बने रहेंगे

रहाणे ने आईपीएल 2025 में आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 13 मैचों में 390 रन बनाए थे। मुंबई की कप्तानी छोड़ने के उनके फैसले के साथ, यह भी सवाल उठने लगा है कि क्या केकेआर उन्हें अगले सीजन के लिए कप्तान बनाए रखेगा? आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन 15 अक्तूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें मुंबई की टीम अपने पहले मैच में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी।

# रेड्डी ने विराट के साथ बिताए अपने खास पल का किया खुलासा

नितीश कुमार रेड्डी भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़े और जल्द ही उन्हें टी20 और टेस्ट कैप मिल गई। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया में इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के साथ खेला, जो अंततः दिल्ली के इस महान बल्लेबाज की आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई। नितीश रेड्डी को विराट कोहली से अपनी पहली टेस्ट कैप मिली और अब आंध्र प्रीमियर लीग के दौरान एक साक्षात्कार में नितीश रेड्डी ने कहा कि यह उनके आदर्श के साथ उनका सबसे खास पल है। भीमावरम बुल्स के कप्तान भी विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे, जब उन्होंने एडिलेड में अपना आखिरी टेस्ट शतक बनाया था और इसे एक और खास पल बताया। क्रके दौरान उन्होंने कहा, विराट भैया ने मुझे जो टेस्ट डेब्यू कैप दी थी, वह मेरे लिए एक बेहद खास पल था और एक और खास पल, विराट भैया का आखिरी टेस्ट शतक मैं उन्हें देखने के लिए नॉन-स्ट्राइकर एंड पर मौजूद था। इस तरह नितीश रेड्डी ने एक बार फिर विराट कोहली के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है। इससे पहले भी इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के प्रति अपने लगाव का इजहार किया है और कहा है कि पूर्व भारतीय कप्तान और आरसीबी सुपरस्टार के साथ खेलना उनका सपना था। नितीश रेड्डी अब उम्मीद कर रहे होंगे कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अच्छी शुरुआत को आगे बढ़ाएं और लंबे समय तक देश की सेवा करें। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन चोटिल हो गए।

# रोहित मैदान पर वापसी को बेकरार

### इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

**मुंबई, एजेंसी।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

### ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

### विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

### वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

# सुनील गावस्कर ने की एशिया कप में प्लेइंग-11 की भविष्यवाणी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कमेंटेटर सुनील गावस्कर ने एशिया कप 2025 के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय प्लेइंग इलेवन चुनी है। उनकी इस टीम में कुछ चौंकाने वाले नाम हैं, जबकि कुछ विस्फोटक हीटर्स को जगह नहीं दी गई। गावस्कर का यह चयन क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। गावस्कर की यह प्लेइंग-11 अनुभव और नए टैलेंट का मिश्रण है। जहां टॉप ऑर्डर में आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, वहीं गेंदबाजी अटैक में विविधता देखने को मिलती है। गेंदबाजी भी मजबूत दिख रही है।

गावस्कर ने प्लेइंग-11 में ओपनिंग से संजू सैमसन को हटाया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और उपकप्तान शुभमन गिल को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। तीसरे और चौथे नंबर पर तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव को बल्लेबाजी की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, गावस्कर ने चौंकाते हुए संजू सैमसन को पांचवें स्थान पर बतौर विकेटकीपर खिलाया है। यह एक ऐसा पोजिशन है, जहां सैमसन ने सिर्फ पांच पारियां खेली हैं और 62 रन बनाए हैं। जितेश शर्मा को न चुनकर गावस्कर ने चौंकाया है, क्योंकि पांचवें या इससे नीचे के पोजिशन पर मैच फिनिश सैमसन से बेहतर जितेश करते दिख सकते हैं।

वहीं, उन्होंने ऑलराउंडर की भूमिका में हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को चुना है। आश्चर्य की बात यह है कि इस टीम में दोनों विशेषज्ञ स्पिनरों को खिलाया गया है। तेज गेंदबाजी विभाग में गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है तो स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के कंधों पर सौंपी है। हालांकि, गावस्कर की इस प्लेइंग-11 में तीन तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर्स दिख रहे हैं और टीम संतुलित दिख रही है। इसके अलावा अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा भी पार्ट टाइम स्पिन कर सकते हैं।

### गावस्कर की चुनी हुई XI

- अभिषेक शर्मा
- शुभमन गिल (उप-कप्तान)
- तिलक वर्मा
- सूर्यकुमार यादव (कप्तान)
- संजू सैमसन (विकेटकीपर)
- हार्दिक पंड्या
- अक्षर पटेल
- अर्शदीप सिंह
- जसप्रीत बुमराह
- वरुण चक्रवर्ती
- कुलदीप यादव

### इन्हें नहीं मिली जगह

गावस्कर ने साफ कहा कि कुछ खिलाड़ियों के लिए यह चयन आसान नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों के लिए यह मुश्किल होगा, लेकिन यही हकीकत है। गावस्कर ने टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन साधने की कोशिश की है।

# पाकिस्तान की टीम की तरह उसका कप्तान भी फिसड्डी, सवालों के घेरे में सलमान आगा की कप्तानी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टी20 टीम का एलान हो चुका है। नौ सितंबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की कमान सलमान अली आगा को सौंपी है, जिनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर अब तक फ्लॉप ही रहा है। इस टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने दोनों को इस प्रारूप की रणनीति से साइडलाइन कर दिया है।

### लय से बाहर चल रही टीम

पाकिस्तान के 17 सदस्यीय स्क्वॉड में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। हालांकि, टीम अभी लय से बाहर चल रही है। हाल ही में उन्हें बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में मुंह की खानी पड़ी थी। इसके बाद टीम ने वापसी की और वेस्टइंडीज को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में हराया। हालांकि, टी20 सीरीज की हार का बदला वेस्टइंडीज की टीम ने वनडे सीरीज में जीत के साथ लिया। ऐसे में पाकिस्तान का एशिया कप में सफर कैसा होगा, इस पर चर्चा तेज है।

### पाकिस्तान के मुकाबले

पाकिस्तान की टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर से ओमान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका सामना दुबई में भारत से होगा। ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान की टीम तीसरा मैच यूएई के खिलाफ खेलेगी, जो दुबई में ही 17 सितंबर को खेला जाएगा। सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे जबकि फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

### इन आंकड़ों के आधार पर चुना कप्तान?

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के टी20 करियर की बात करें तो उनके आंकड़े बिल्कुल भी कप्तानी के लायक नहीं हैं। 20 मुकाबलों में उन्होंने कुल 380 रन बनाए हैं, यानी मुश्किल से औसत 27.1 का रहा है। टी20 जैसे प्रारूप में जहां बल्लेबाजों से 140-150 के स्ट्राइक रेट की उम्मीद की जाती है, वहां आगा मुश्किल से 115.8 के स्ट्राइक रेट को छू सके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी सिर्फ 56 रन ही है। वहीं, गेंदबाजी की बात करें तो 20 मैचों में उन्होंने सिर्फ चार विकेट झटके हैं और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/7 का है।

अब कप्तानी पर नजर डालें तो आगा ने 18 मैचों में पाकिस्तान की कमान संभाली, जिसमें नौ जीते और इतने ही हारे। यानी न टीम आगे बढ़ पाई, न कोई स्थिरता आई। उनकी कप्तानी में कोई बड़ा बदलाव या आक्रामक रणनीति नजर नहीं आई। इन आंकड़ों से साफ है कि सलमान अली आगा न बल्लेबाजी में धमाल मचा पाए हैं, न गेंदबाजी में और न ही कप्तानी में कोई करिश्मा दिखा पाए हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर किन आधारों पर उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया?

## लिन लैशराम ने पति रणदीप को

# खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

**अभिनेत्री** लिन लैशराम ने पति और अभिनेता रणदीप हुड्डा को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिन ने छोटा मगर प्यारा कैप्शन भी दिया। दमदार अभिनय शैली के लिए मशहूर रणदीप ने मॉनसून वेडिंग, साहेब बीवी और गैंगस्टर, हाईवे, सरबजीत और स्वातंर्त्य वीर सावरकर जैसी फिल्मों से दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीता है। उनके जन्मदिन के मौके पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री लिन लैशराम ने बेहद खास और दिल छू लेने वाला अंदाज अपनाया। लिन लैशराम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें रणदीप केक काटते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ लिन ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे मेरी जान। रणदीप और लिन की जोड़ी बॉलीवुड की चर्चित जोड़ियों में से एक है। दोनों ने 29 नवंबर 2023 को इम्फाल, मणिपुर में पारंपरिक मेइतेई रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। इस शादी में रणदीप ने मणिपुरी संस्कृति को अपनाते हुए पारंपरिक पोशाक पहनी थी, जबकि लिन ने पोटलोई पहनकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। रणदीप के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह न केवल अपनी शानदार एक्टिंग स्किल बल्कि किरदारों के लिए किए बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए भी जाने जाते हैं। रणदीप के इस पैशन ने उन्हें इंडस्ट्री में अलग पहचान दी है। विदेश में पढ़ाई करने के बाद रणदीप ने मॉडलिंग और थिएटर शुरू किया। साल 2001 में उन्हें बड़ा मौका मिला। मीरा नायर की 'मॉनसून वेडिंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' (2010) ने उन्हें स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक से बढ़कर एक शानदार फिल्मों में काम किया। नसीरुद्दीन शाह के मोटली थिएटर ग्रुप से रंगमंच पर उतरे। रणदीप स्वतंत्र वीर सावरकर, दो लफ्जों की कहानी, सरबजीत, जाट, हाईवे जैसी सफल फिल्मों का हिस्सा रहे हैं।

# 'कंचना 4' में नोरा फतेही की एंट्री

### बोलीं- 'तमिल डेब्यू के लिए परफेक्ट फिल्म'

**एक्ट्रेस** नोरा फतेही लोकप्रिय तमिल हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'कंचना' के चौथे भाग 'कंचना 4' के साथ तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस मोस्टअवेटेड फिल्म में नोरा मुख्य भूमिका निभाएंगी। नोरा ने 'कंचना 4' चुनने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे लगा कि तमिल सिनेमा में डेब्यू के लिए यह एकदम सही प्रोजेक्ट है। इस फ्रेंचाइजी की पहले से ही मजबूत पहचान है और इसकी अनोखी स्क्रिप्ट ने मुझे आकर्षित किया। नोरा फतेही ने आगे बताया, क्राइम-कॉमेडी ड्रामा मडगांव एक्सप्रेस की सफलता के बाद मैं एक और कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे वही रास्ता नजर आया। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। नोरा ने बताया कि तमिल भाषा सीखना आसान नहीं है। फिल्म के लिए तमिल भाषा सीखना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने बताया, भाषा हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैंने पहले हिंदी, तेलुगू और मलयालम में भी काम किया है और अब तमिल मेरे लिए सबसे मुश्किल भाषा है और इसमें काम करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। नोरा फतेही ने यह भी बताया कि वह अपने किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए किस तरह से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं अपने लाइन्स की रिहर्सल करने और उच्चारण पर काम करने के लिए अतिरिक्त समय दे रही हूं। इसके लिए खूब प्रैक्टिस करती हूं। सेट पर मिला प्रोत्साहन सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। उन्होंने कहा, क्रू को उम्मीद नहीं थी कि मैं कॉमिक सीन में इतनी सहज रहूंगी। ऐसी प्रतिक्रिया मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह संस्कृति और भाषा का सम्मान करने के साथ-साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका है। मुझे टीम का भी काफी सपोर्ट मिलता है। नोरा ने तमिल और बॉलीवुड सिनेमा के अंतर को भी रेखांकित किया। उनके मुताबिक, तमिल सिनेमा कहानी और परफॉर्मेंस पर केंद्रित है, जबकि बॉलीवुड की अपनी भव्यता और एनर्जी है। दोनों इंडस्ट्री से सीखना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है।

## अक्षरा सिंह ने ग्रीन साड़ी में बिखेरा जलवा, सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया

**भोजपुरी** फिल्मों की अभिनेत्री अक्षरा सिंह बेहतरीन अभिनय और अद्भुत स्टाइल के लिए चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इस कड़ी में अक्षरा ने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनकी मुस्कान को देख फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में अक्षरा का आकर्षक लुक, हल्की-सी मुस्कान और स्टाइलिश पोज फैंस को लुभा रहा है। वह साड़ी में अलग-अलग अंदाज में वीडियो शूट करवा रही हैं। कभी वह सामने से चलकर आती दिख रही हैं, तो कभी पेड़ों के पीछे से पोज दे रही हैं। वह अपने पल्लू को हवा में उड़ाते हुए मौसम का मजा लेती हुई भी नजर आ रही हैं। उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं।

वीडियो में अक्षरा ने रोमांटिक शॉर्ट फिल्म बम्बलिंग का गाना फाइनली वी मेट ऐड किया है। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, सच्ची खूबसूरती ध्यान खींचने की कोशिश नहीं करती, लोग खुद ही उसे पसंद करने लगते हैं। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया। अलगाव के बाद अक्षरा ने पवन सिंह पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन में काफी उथल-पुथल मची।

## The Bengal Files:

# 'बिना फिल्म देखे, क्यों हो रहा विरोध?

## 'द बंगाल फाइल्स' विवाद पर भड़के मिथुन चक्रवर्ती

**विवेक** अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स रिलीज से पहले ही विवादों में घिर चुकी है। अब मिथुन चक्रवर्ती ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सब पहले से तय था। विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर विवाद हो रहा है। बीते दिनों कोलकाता में फिल्म के ट्रेलर रिलीज के दौरान काफी हंगामा हुआ था। इस मामले पर दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि लोग फिल्म देखें बिना किस बात का विरोध कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सोची समझी साजिश थी।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने बातचीत करते हुए कहा, 'सब कुछ पहले से तय था। लेकिन मेरे लिए यह बहुत आश्चर्यजनक था कि बिना ट्रेलर देखे, बिना कुछ देखे, वे इसका विरोध किस लिए कर रहे हैं? सच्चाई का सामना करने के लिए? तो, यही समस्या है। और कुछ नहीं।'

द बंगाल फाइल्स के मेकर्स पर राजनीतिक लोगों ने FIR दर्ज कराई है। इसपर बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बंगाल में एफआईआर कुरमुरा की तरह बांटी जाती है। अगर टीएमसी का कोई भी पुलिस स्टेशन में जाएगा, तो एफआईआर हो जाएगा। ऐसा ही था, तो कोई बात नहीं। अगर एफआईआर हो गई है, विवेक अग्निहोत्री इसका विरोध करेंगे। कोई बात नहीं।'

### विरोधियों को दिया जवाब

द बंगाल फाइल्स का विरोध कर रहे लोगों पर अभिनेता ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'हर कोई सच्चाई से डरता है। यही बात है।' आगे उन्होंने बोला- 'यह 1947 है, मेरे जन्म से भी पहले का, जिसके बारे में हम नहीं जानते। अगली पीढ़ी को पता होना चाहिए कि नोआखली में क्या हुआ था या कलकत्ता के बड़े नरसंहारों के बारे में क्या हुआ था। क्या हुआ था, हमने एक लाइन पढ़ी क्या हुआ? आप सच नहीं जानना चाहते?

# 'डिंपल भाभी को बचाओ'

## एक्ट्रेस के बयान से इंटरनेट पर मचा कोहराम

**हाल** ही में स्वरा भास्कर ने सांसद डिंपल यादव को अपना क्रश बताया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है और नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इस बार एक्ट्रेस ने सपा सांसद डिंपल यादव को अपना क्रश बताया है, जिसके बाद से वो इंटरनेट पर छाई हुई हैं। यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को सुझाव दे रहे हैं कि वो डिंपल भाभी को बचा लें। स्वरा भास्कर द्वारा सांसद डिंपल यादव को अपना क्रश बताए जाने के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बायसेक्सुअल मुद्दे पर भी टिप्पणी की है। इसी के बाद से नेटिजंस इस मामले पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को आगाह कर रहे हैं कि वो अपनी पत्नी और सांसद डिंपल यादव को बचाकर रखें। इसके अलावा कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि ये क्या-क्या देखना पड़ रहा है।

# मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज को एक नेता ने भेजा आपत्तिजनक संदेश

**हाल** ही में मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने एक युवा राजनेता पर आपत्तिजनक संदेश भेजने का आरोप लगाया है। मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने केरल की एक राजनीतिक पार्टी के एक युवा नेता पर आपत्तिजनक और अनुचित संदेश भेजने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी इस घटना की जानकारी दी थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आइए जानते हैं आखिर एक्ट्रेस ने किस पर और क्या-क्या आरोप लगाए।

### 'होटल में आने के लिए कहा'

बुधवार के दिन मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने मीडिया से बात की। एक्ट्रेस ने बताया, मैं सोशल मीडिया के माध्यम से उस राजनेता के संपर्क में आई थी। उसका अनुचित व्यवहार तीन साल पहले शुरू हुआ था, जब मुझे पहली बार उससे आपत्तिजनक संदेश मिले थे।' आगे एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि उस नेता ने एक 5 स्टार होटल में कमरा बुक करने की भी पेशकश की और उन्हें वहां आने के लिए कहा। हालांकि, आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने नेता या उनकी पार्टी का नाम बताने से इनकार कर दिया।

### पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की, लेकिन

अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस मामले की शिकायत उन्होंने युवा नेता की पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से की, लेकिन उन सबने इसे नजरअंदाज किया। इसके साथ ही पार्टी के आला अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'उनके बारे में मेरे मन में जो छवि थी, वह चकनाचूर हो गई है। मेरी शिकायत के बाद भी, उन्हें पार्टी में कई प्रमुख पद दिए गए।'

### पीड़ित महिलाओं के लिए उठा रहीं आवाज

रिनी एन जॉर्ज ने कहा, 'मुझ पर कोई हमला नहीं हुआ है, मुझे तो बस ये संदेश मिले हैं। लेकिन अपने दोस्तों के माध्यम से मुझे पता चला कि कई अन्य महिलाओं को भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है और मैं उनके लिए आवाज उठा रही हूं।

### मानद डॉक्टरेट का सम्मान हासिल करने पर बोले हरिहरन-

# अरिजीत सिंह को बताया पसंदीदा गायक

गजल की दुनिया में ऊंचा मुकाम हासिल कर चुके गायक हरिहरन को हाल ही में टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी की ओर से ऑनरेरी डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर का सम्मान मिला है। इस पर उन्होंने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं। भारतीय संगीत जगत के दिग्गज और गजलों के बादशाह कहे जाने वाले सिंगर हरिहरन को हाल ही में एक बड़ा सम्मान मिला है। कोलकाता स्थित टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर से नवाजा है। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां भी मौजूद थीं, जिन्हें इसी उपाधि से सम्मानित किया गया। हरिहरन ने इसे अपने लिए गर्व और सौभाग्य का पल बताया।

**सम्मान पर हरिहरन का बयान**

मानद डॉक्टरेट मिलने पर सिंगर हरिहरन ने कहा कि ये सम्मान सिर्फ उनके लिए नहीं बल्कि पूरे भारतीय संगीत जगत के लिए है। उन्होंने इसे अपने सफर का प्रेरणादायक पड़ाव बताया और आने वाली पीढ़ी के कलाकारों से रिक्वेस्ट की कि वो मेहनत और लगन से संगीत साधना करें।

**रियाज करने का बताया महत्व**

करीब चार दशकों से भारतीय संगीत को अपनी आवाज से समृद्ध कर रहे हरीहरन ने इस मौके पर कहा कि ये बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा मेरे लिए गर्व का पल है। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए रियाज बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बिना अभ्यास और लगातार सीखने की लगन के कोई भी गायक लंबे समय तक टिक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि संगीत सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि साधना है और इसकी बारीकियों को समझना हर कलाकार के लिए अनिवार्य है।

**अरिजीत सिंह को बताया पसंदीदा गायक**

जब उनसे पूछा गया कि मौजूदा दौर में उनके पसंदीदा गायक कौन हैं, तो उन्होंने बिना झिझक अरिजीत सिंह का नाम लिया। हरिहरन ने माना कि अरिजीत की गायकी में गहराई और भावनाओं की ऐसी सच्चाई है जो उन्हें श्रोताओं के दिलों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि उन्हें गायकी के मामले में अरिजीत अच्छे लगते हैं।